Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 225 | मंगलवार, 25 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

जंतर-मंतर पर यौन उत्पीड़न की जांच पहले होगी

महिला प्रदर्शनकारियों की शिकायतों पर कोर्ट गंभीर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को स्पष्ट किया कि जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस हिंसा के आरोपों की जांच के लिए गठित हाई-पावर्ड एन्क्वायरी कमेटी महिला प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के आरोपों की प्राथमिकता के आधार पर जांच करेगी।

CJI ने कहा कि 18 अगस्त के आदेश के अनुसार, कमेटी को महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित यौन हिंसा, उत्पीड़न, छेड़छाड़ और अन्य प्रकार की हिंसा से जुड़ी शिकायतों पर प्राथमिकता से विचार करते हुए जल्द से जल्द अंतरिम रिपोर्ट दाखिल करनी है।

20 जुलाई के प्रदर्शन से उठा मामला

यह मामला तब सामने आया, जब सीनियर एडवोकेट शोभा गुप्ता ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महिला प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों द्वारा कथित छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न की शिकायतें की हैं।

इसी मुद्दे पर अलग रिट याचिका भी दायर

इस पर जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने बताया कि इसी मुद्दे को लेकर एक अलग रिट याचिका भी दायर की गई है और हाई-पावर्ड कमेटी को मामले की जांच करने के लिए कहा गया है। CJI ने कहा कि कमेटी के अध्यक्ष को शिकायतें प्राप्त करने के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार दिया गया है। नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के बाद शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया सार्वजनिक की जाएगी।

पांच सदस्यीय कमेटी करेगी आरोपों की जांच

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय हाई-पावर्ड कमेटी गठित की थी। कमेटी को छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों, दोनों की ओर से लगाए गए हिंसा के आरोपों की जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महिला प्रदर्शनकारियों की शिकायतों को मिलेगी प्राथमिकता

कमेटी को विशेष रूप से महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित लक्षित हिंसा, उत्पीड़न, छेड़छाड़ और किसी भी प्रकार के द्वितीयक उत्पीड़न की शिकायतों की प्राथमिकता के आधार पर जांच करने को कहा गया है।

इसके साथ ही पुलिस बल के कथित अत्यधिक इस्तेमाल और छेड़छाड़ के आरोपों पर जल्द से जल्द अंतरिम रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया है।

राजनीतिक 'संन्यास' नहीं लूंगी, BJP को हाशिए पर धकेलने तक नहीं रुकूंगी: ममता

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राजनीतिक 'संन्यास' नहीं लेंगी। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा को हाशिए पर नहीं धकेल देतीं, तब तक नहीं रुकेंगी। फेसबुक लाइव के दौरान ममता ने कहा कि सरकार बदलने के चार महीने के भीतर ही राज्य के लोगों को भाजपा का असली चेहरा समझ आ गया है।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि जनगणना की प्रक्रिया नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) लागू करने की एक और गुप्त कोशिश है। उन्होंने कहा कि इसे राजनीतिक दलों से सलाह किए बिना लागू किया गया। उन्होंने लोगों से जनगणना फॉर्म पर हस्ताक्षर

करने और निजी जानकारी साझा करने से पहले सावधानी बरतने की अपील की। ममता ने कहा कि ऐसा करने से उनकी निजी बचत खत्म हो सकती है। महिलाओं के लिए 'अन्नपूर्णा भंडार' आर्थिक सहायता योजना के तहत फंड मिलने में कथित देरी को लेकर राज्य के अलग-अलग हिस्सों में महिलाओं के विरोध-प्रदर्शन के बीच ममता ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार अयोग्यता का बहाना बनाकर लाभार्थियों की संख्या कम कर रही है। ममता ने कहा, 'हमने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'लक्ष्मी भंडार' शुरू किया था, लेकिन भाजपा 'अन्नपूर्णा भंडार' का पैसा देने के लिए धर्म और जाति को आधार बना रही है। वह सभी महिलाओं को 'अन्नपूर्णा योजना' का पैसा देने के अपने चुनाव-पूर्व वादे का उल्लंघन कर रही है और अब उनके साथ धोखा कर रही है।' जादवपुर यूनिवर्सिटी में एबीवीपी और वामपंथी छात्रों के बीच हुई झड़प के बीच ममता ने भाजपा पर कैंपस में तोड़फोड़ करवाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'वहां कुछ छात्रों के साथ हमारे मतभेद होने के बावजूद, हम उनका सम्मान करते हैं।'

इसरो की विरासत कमजोर नहीं, रंग ला रही है, जयराम रमेश के आरोपों पर जीतेंद्र सिंह का बड़ा पलटवार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश के उस आरोप का जवाब दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि ISRO का 'दम घोंटा जा रहा है और उसे कमजोर किया जा रहा है'। सिंह ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की विरासत कमजोर नहीं हो रही है, बल्कि मोदी सरकार के तहत इसके अच्छे नतीजे मिल रहे हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार पर अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए आक्रामक निजीकरण एजेंडा अपनाने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में जितेंद्र सिंह ने पिछले 12 वर्षों में अंतरिक्ष क्षेत्र में हुई प्रगति का ब्योरा दिया और कहा कि 'मॉडल ISRO और इंडस्ट्री का मिलकर

काम करना है और वे भारत की अंतरिक्ष कहानी का अगला अध्याय लिख रहे हैं। अंतरिक्ष राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने जयराम रमेश पर सरकार की उपलब्धियों को कमतर दिखाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। आप और आपके जैसे लोग भारत की हर कामयाबी को कमतर आंकने और हर आगे बढ़ते कदम पर शक करने पर तुले हुए हैं।

मुंबई के ऑटो-टैक्सी चालकों को राहत

मराठी सीखने की समयसीमा से पहले नहीं लगेगा जुमार्ना, मंत्री सरनाईक का एलान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को कहा कि मराठी सीखने की एक महीने की समयसीमा पूरी होने से पहले ऑटोरिक्शा और टैक्सी चालकों पर गलत तरीके से जुमार्ना लगाने वाले क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकारों से बातचीत में सरनाईक ने स्पष्ट किया कि 12 अगस्त के सरकारी प्रस्ताव में कहा गया था कि मराठी का कामकाजी ज्ञान नहीं रखने वाले ऑटोरिक्शा और टैक्सी चालकों को आरटीओ अधिकारी एक महीने का नोटिस देंगे। इस दौरान उन्हें मराठी सीखने का समय दिया जाएगा।

महाराष्ट्र सरकार ने दी क्या छूट?

प्रताप सरनाईक ने कहा कि एक महीने के बाद भी भाषा संबंधी शर्त पूरी नहीं करने पर चालक का लाइसेंस और बैज निलंबित कर दिया जाएगा। इसके बाद चालकों को मराठी सीखने के लिए तीन महीने और दिए जाएंगे। इसके बाद भी शर्त पूरी नहीं करने पर उनका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा।

सरनाईक ने कहा, 'अगर कोई आरटीओ अधिकारी एक महीने की नोटिस अवधि खत्म होने से पहले चालकों पर गलत तरीके से जुमार्ना लगाता पाया गया, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।' हालांकि, मंत्री ने कहा कि जानबूझकर मराठी सीखने से इनकार करने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कितने ड्राइवरों को नहीं आती है मराठी भाषा?

सरनाईक का यह बयान शिवसेना नेता और पार्टी के उत्तर भारतीय चेहरे संजय निरुपम से मुलाकात के बाद आया है। निरुपम ने उनसे मुलाकात कर चालकों पर जुमार्ना लगाने की कार्रवाई रोकने की अपील की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि चालकों को एक महीने का नोटिस दिए बिना 25,000 रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा रहा है।

20 अगस्त को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) ने मराठी भाषा का पर्याप्त ज्ञान नहीं होने पर 1,268 वाणिज्यिक यात्री वाहन चालकों को नोटिस जारी किए थे। इनमें मुख्य रूप से ऑटोरिक्शा और टैक्सी चालक शामिल थे। इसके एक दिन बाद महाराष्ट्र भर में मराठी नहीं बोलने वाले 1,499 चालकों को नोटिस जारी किए गए। सरनाईक ने कहा कि अब तक 1,65,600 गैर-मराठी ऑटोरिक्शा और टैक्सी चालक मराठी की कक्षाओं में शामिल हो चुके हैं।

तमिलनाडु में पांच सीटों पर फिलहाल नहीं होगा उपचुनाव, हाईकोर्ट ने 8 सितंबर तक बढ़ाई रोक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मद्रास। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की अधिसूचना जारी करने पर अंतरिम रोक को 8 सितंबर तक बढ़ा दिया है। चुनाव आयोग ने अदालत को बताया कि लंबित चुनाव याचिकाओं पर फैसला होने तक इन सीटों पर उपचुनाव की अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी। अदालत ने टीवीके सरकार की ओर से रोक हटाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। जिन पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है, उनमें तिरुचि ईस्ट, विरालीमलाई, पेरुंदुरई, अंबासमुद्रम और करूर शामिल हैं। भारतीय निर्वाचन आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को बताया कि जब तक चुनाव से जुड़ी लंबित याचिकाओं पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक वह इन पांच विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा नहीं करेगा। चुनाव आयोग ने अपने बयान में कहा, चुनाव से जुड़े मामलों के निपटारे तक उपचुनाव की घोषणा करने की कोई योजना नहीं है।

भगवंत मान की पत्नी पर गंभीर आरोप, रेप केस दबाने के लिए 5 करोड़ मांगने का दावा

पंजाब(वेलकम इंडिया)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। उन पर अमृतसर के एक रेप केस को दबाने के लिए कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये मांगने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अब संज्ञान लिया है और पंजाब सरकार को जांच के आदेश दिए हैं। NHRC ने पंजाब के मुख्य सचिव और DGP को मामले की जांच कर दो हफ्ते के अंदर एक्शन टेकन रिपोर्ट देने को कहा है। आयोग ने मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय की महिला सुरक्षा प्रभाग को भी भेजा है। यह मामला अमृतसर के सिविल लाइंस थाने में दर्ज FIR नंबर 77, दिनांक 29 अप्रैल 2026, से जुड़ा है। पीड़ित परिवार ने पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का रुख किया था। परिवार का आरोप है कि मामले की जांच सही तरीके से नहीं हुई और पुलिस पर FIR वापस लेने का दबाव बनाया गया। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली लोगों के जरिए मामले को कमजोर करने की कोशिश की गई।

सऊदी अरब से लौटे प्रवासियों पर आई रिपोर्ट पर थरूर ने जताई चिंता, लैंगिक हिंसा पर कही बड़ी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस पोस्ट में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया था। अध्ययन में यह पाया गया है कि सऊदी अरब से केरल लौटने वाले प्रवासी महिलाओं के खिलाफ शारीरिक और लैंगिक हिंसा को लेकर अधिक रूढ़िवादी और अतिवादी विचार रखते हैं। थरूर ने इन रिपोर्टों को 'परेशान करने वाला' बताया है।

थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह निष्कर्ष विदेशों में अपनाए गए रूढ़िवादी सामाजिक दृष्टिकोणों के प्रभाव के बारे में गंभीर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि केरल लंबे समय से इस्लाम के एक उदार और प्रगतिशील पालन का केंद्र रहा है, जो राज्य में प्रचलित सह-अस्तित्व और

सांप्रदायिक सद्भाव के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

उन्होंने मुस्लिम लड़कियों और महिलाओं को लड़कों और पुरुषों के समान स्तर की शिक्षा प्रदान करने के केरल के रिकार्ड की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, 'विदेशों से रूढ़िवादी और यहां तक कि प्रतिक्रियावादी दृष्टिकोणों का आयात, केरल की पुरानी पहचान से मौलिक रूप से अलग है।' उन्होंने इस मुद्दे पर मुस्लिम समुदाय के भीतर गंभीर आत्मनिरीक्षण और आंतरिक चर्चा का आह्वान किया। क्या कहती है विश्व बैंक की रिपोर्ट? जिस पोस्ट पर थरूर ने प्रतिक्रिया दी, उसमें विश्व बैंक के एक अध्ययन के निष्कर्षों का जिक्र था। इस अध्ययन में यह जांच की गई थी कि क्या सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों में प्रवास ने केरल वापस लौटने वाले प्रवासियों के बीच लैंगिक मानदंडों को प्रभावित किया है। अध्ययन में सऊदी अरब से लौटने वालों में एक महत्वपूर्ण अंतर पाया गया। जिन लोगों को प्रवास का कोई अनुभव नहीं था, उनकी तुलना में सऊदी अरब से लौटने वाले लोगों ने लिंग आधारित हिंसा के प्रति अधिक रूढ़िवादी दृष्टिकोण प्रदर्शित किया। दिलचस्प बात यह है कि खाड़ी देशों से लौटने वाले प्रवासियों की व्यापक श्रेणी में इसके विपरीत पैटर्न देखने को मिला।

सीजेपी का बड़ा ऐलान: सरकार पर 'धोखाधड़ी' का आरोप, 5 सितंबर को दिल्ली में मार्च

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध मार्च निकालने का देशव्यापी आह्वान किया है। पार्टी ने भारत सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया। जबकि उन वादों के बाद ही युवाओं ने सद्भावना दिखाते हुए अपना देशव्यापी विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया था। 5 सितंबर को होने वाला यह शांतिपूर्ण मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय की ओर जाएगा।

इस मार्च का नेतृत्व NEET परीक्षा से जुड़े मामलों में जान गंवाने वाले छात्रों और पुलिस की बर्बरता के शिकार लोगों के परिवार करेंगे। इसमें

देश भर से छात्रों, युवा संगठनों और युवा नागरिकों के शामिल होने की उम्मीद है। इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शन को खत्म करने की कोशिश के तहत प्रेशर ग्रुप से किए गए वादों को पूरा करे। ऑनलाइन ग्रुप से दबाव बनाने वाले समूह में बदले इस संगठन ने केंद्र पर देश के युवाओं को धोखा देने और उनका भरोसा तोड़ने का आरोप लगाया है।

CJP ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हम सरकार को पूरी पीढ़ी का अपमान नहीं करने देंगे। सरकार शांतिपूर्ण आंदोलन खत्म करने का वादा करती है और फिर जब सड़कें खाली हो जाती हैं, तो उन्हीं वादों से मुकरने की कोशिश करती है। भारत के युवाओं से किए गए वादे को अक्षरशः और उसकी मूल भावना के साथ पूरा किया जाना चाहिए। अपने बयान में CJP ने कहा कि छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज FIR को रद्द करने के लिए कोर्ट की बार-बार की गुजारिश के बावजूद, सरकार ने अभी तक कोई लिस्ट नहीं दी है।

बयान में कहा गया कि केंद्र सरकार ने इसे उपलब्ध कराने का कोई वादा नहीं किया था। इसके तुरंत बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में, CJP के सह-संयोजक सौरव दास और कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने चेतावनी दी कि ऐसा लगता है कि सरकार देश की युवा पीढ़ी को धोखा देने की कोशिश कर रही है, जबकि उसने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में किए गए पक्के वादों के आधार पर हमारा आंदोलन वापस करवाया था।

गुरूग्राम में वर्षा से थमी वाहनों की रफ्तार, एक्सप्रेसवे समेत कई प्रमुख सड़कें जलमग्न

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गुरुग्राम। गुरुग्राम में सोमवार को करीब एक घंटे तक हुई भारी बारिश के बाद कई जगहों पर पानी भर गया और दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे तथा प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रभावित हुआ। भारी बारिश के कारण नरसिंहपुर, हीरो होंडा चौक, राजीव चौक, इफ्को चौक और पुराने गुरुग्राम के कई इलाकों में पानी भर गया। राजीव चौक के आसपास वाहन पानी में फंस गए, जबकि सोहना रोड पर स्कूल बसें और एंबुलेंस भी जलभराव में फंस गईं। जिला प्रशासन ने बताया कि पूर्वाह्न 1:30 बजे तक गुरुग्राम में 70 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राजीव चौक, इफ्को चौक, रेलवे रोड, सेक्टर-5, पुरानी दिल्ली रोड, महरौली रोड और बसई रोड समेत प्रमुख इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए। नाहरपुर अंडरपास में भी पानी भर गया।

तमिलनाडु में महिलाओं को बड़ा तोहफा: मुफ्त बस यात्रा से लेकर एलपीजी सिलिंडर तक का एलान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

तमिलनाडु। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना का विस्तार करने की घोषणा की। इसके साथ ही लाभार्थियों के लिए डीलक्स और एक्सप्रेस जैसी सेवाओं को भी मुफ्त कर दिया।

विधानसभा में कई घोषणाएं करते हुए, विजय ने टीवीके के मुख्य चुनावी वादों को पूरा किया। उन्होंने तीन मुफ्त कुकिंग गैस सिलिंडर देने और परंदूर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रोजेक्ट को रद्द करने की घोषणा की। बता दे कि किसानों ने इस प्रोजेक्ट का जोरदार विरोध किया था क्योंकि वे अपनी जमीन नहीं छोड़ना चाहते थे।

वहीं, विजय ने नियम 110 के तहत बयान देते हुए कहा, 'महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा 'वेत्री पयनम' का लाभ उठाने के लिए आय की सीमा या यात्राओं की संख्या जैसी कोई शर्त नहीं होगी।' महिलाएं मेट्रोपॉलिटन और शहरी इलाकों में चलने वाली एक्सप्रेस, एलएसएस और डीलक्स सरकारी

बसों में मुफ्त यात्रा कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि यह योजना 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के मौके पर शुरू की जाएगी। इससे राज्य सरकार पर हर साल 6,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा।

अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विजय ने 'अन्नपूर्णी सुपर सिक्स' स्कीम का वादा किया था। इसके तहत तमिलनाडु के हर पात्र परिवार को हर साल छह मुफ्त एलपीजी सिलिंडर देने का भरोसा दिया गया था, ताकि उनके घर का खर्च कम हो सके।

विजय ने कहा, 'इससे उन लोगों का बोझ कम होगा जो सिलिंडर लेने के लिए ज्यादा पैसे खर्च कर रहे थे। सरकार ने कुकिंग गैस सिलिंडर की कीमत देने का फैसला किया है। पहले चरण में तीन मुफ्त एलपीजी सिलिंडर दिए जाएंगे और सिलिंडर की कीमत सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।' इस दौरान सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेज थपथपाकर उनका समर्थन किया। इस कदम से लगभग 2.5 लाख रुपये सालाना आय वाले परिवारों, आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों, छोटे और मध्यम किसान परिवारों, दिव्यांगों और गरीब परिवारों को फायदा होगा।

संपादक की कलम से

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

ललित शर्मा
संपादक

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दशार्ता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है।

खामोश है होठ

उदय कशोर साह

कविता

होठ खामोश है पर दो नयन हैं चंचल
मन की भाषा पढ़ लेता है मंजर
आँखों आँखों में जब होती है मुलाकात
कर लेता है मन की अन्दर की ये बात

होठ रहा मौन पर मन जाता है। डोल
दिल की पैगाम पढ़ खोल देता . है पोल
आँखों की चमक जब होता है हलचल
बहने लगती है जैसे सरिता बहे कल कल

प्रेम की भाषा को लिपि नहीं बाँध पाया
दिल की चाहत दिल में जा कर समाया
चुपके चुपके लिख देता है प्रेम जजबात
हो जाता है दिल को दिल से पूरी बात

मन की अल्हड़पन किसी की ना गुलाम
जग वाले को दिखाता अपनी ये पैगाम
मन की उड़ान का ना कोई है बंधन
चंचल मन की गुलशन लागे चितमन

रब ने लिख डाला जब तकदीर की मूरत
पर्मन में बसता है मनचाही एक सूरत
कहाँ ले जायेगा मन ना इसका ठिकाना
डरता नहीं है ये सोंचता क्या करेगा जमाना

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

जनरेशन अल्फा: क्या बदल रहा है बच्चों का बचपन?

डॉ विजय गर्ग
लेखक

बचपन हमेशा से जिज्ञासा, कल्पना, खेल, सीखने और खोज का समय रहा है। लेकिन आज का बचपन पिछली पीढ़ियों के बचपन से काफी अलग दिखाई देता है। स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑनलाइन मनोरंजन और डिजिटल उपकरण बच्चों के जीवन का हिस्सा बहुत कम उम्र से ही बन गए हैं। इसी डिजिटल वातावरण में पली-बढ़ी पीढ़ी को सामान्यतः जनरेशन अल्फा कहा जाता है।

यह बदलाव अपने साथ अनेक अवसर लेकर आया है। बच्चे कुछ ही क्षणों में दुनिया भर की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, नई भाषाएं सीख सकते हैं, विज्ञान और अंतरिक्ष की खोज कर सकते हैं, रचनात्मक सामग्री तैयार कर सकते हैं और ऐसी तकनीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं जो पिछली पीढ़ियों के लिए कल्पना जैसी थीं।

लेकिन इसके साथ एक गंभीर सवाल भी खड़ा होता है—क्या तकनीक केवल बच्चों की दुनिया बदल रही है या उनका बचपन भी बदल रही है?

सवाल तकनीक के अच्छी या बुरी होने का नहीं है। तकनीक स्वयं एक साधन है। असली सवाल यह है कि बच्चे के जीवन में तकनीक की कितनी जगह होनी चाहिए और डिजिटल अनुभवों के कारण कौन-से वास्तविक जीवन के अनुभव पीछे छूट रहे हैं।

खेल के मैदान से स्क्रीन तक

पिछली पीढ़ियों के बचपन में खेल का मतलब अक्सर घर से बाहर निकलना था। बच्चे मैदानों में खेलते थे, साइकिल चलाते थे, पेड़ों के आसपास घूमते थे, दोस्तों के घर जाते थे और अपने खेल स्वयं बनाते थे। खाली समय कल्पना और रचनात्मकता का अवसर बन जाता था। आज एक स्क्रीन के भीतर ही बच्चों के लिए पूरी दुनिया मौजूद है। वीडियो, ऑनलाइन गेम, कार्टून, शैक्षिक ऐप और इंटरैक्टिव सामग्री घंटों तक उनका मनोरंजन कर सकती है। डिजिटल माध्यम अपने आप में गलत नहीं हैं। शैक्षिक ऐप सीखने में मदद कर सकते हैं, डिजिटल प्रयोग विज्ञान को रोचक बना सकते हैं और रचनात्मक उपकरण बच्चों को अपनी कल्पना व्यक्त करने का अवसर दे सकते हैं। समस्या तब शुरू होती है जब स्क्रीन वास्तविक खेल, शारीरिक गतिविधि, प्रकृति और आमने-सामने के संवाद की जगह लेने लगे। बचपन को गति चाहिए। दौड़ना, कूदना, खेलना, चीजें बनाना, चित्र बनाना, दोस्तों के साथ मिलकर समस्या हल करना और प्रकृति को देखना ऐसे अनुभव हैं जिन्हें कोई स्क्रीन पूरी तरह से नहीं दे सकती।

क्या बोरियत भी जरूरी है?

आधुनिक बचपन की एक दिलचस्प विशेषता है—बोरियत का तेजी से गायब होना। पहले बच्चे अक्सर कहते थे, ह्लकरने के लिए कुछ नहीं हैह्व लेकिन यही खालीपन उन्हें नया खेल बनाने, चित्र बनाने, किताब पढ़ने, चीजें बनाने या आसपास की दुनिया को देखने के लिए प्रेरित करता था। आज बोरियत कुछ ही सेकंड में समाप्त की जा सकती है। एक वीडियो चल सकता है, कोई गेम खुल सकता है या इंटरनेट पर नया मनोरंजन मिल सकता है।

लेकिन हर बोरियत खराब नहीं होती।

कुछ समय बिना किसी निर्धारित गतिविधि के रहना बच्चों की कल्पना और स्वतंत्र सोच को विकसित कर सकता है। यदि हर खाली क्षण डिजिटल मनोरंजन से भर दिया जाए, तो बच्चों को स्वयं कुछ नया करने के अवसर कम मिल सकते हैं।

इसलिए बच्चों को हर समय व्यस्त रखना आवश्यक नहीं है। उन्हें कुछ खाली समय भी चाहिए, जिसमें वे स्वयं तय करें कि क्या करना है।

ध्यान और त्वरित उत्तेजना का युग

जनरेशन अल्फा ऐसे डिजिटल वातावरण में बड़ी हो रही है जहां हर क्षण ध्यान आकर्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है। छोटे वीडियो, नोटिफिकेशन, गेम और लगातार बदलती सामग्री तेजी से उत्तेजना प्रदान करते हैं। इसका असर सीखने के तरीके पर भी पड़ सकता है। जो बच्चा लगातार बदलती डिजिटल सामग्री का आदी हो जाए, उसे लंबे समय तक किताब पढ़ना या किसी कठिन गणितीय समस्या पर काम करना कम आकर्षक लग सकता है। लेकिन सीखने में धैर्य की आवश्यकता होती है। गणित, विज्ञान, साहित्य और लेखन हमेशा तुरंत मनोरंजक नहीं होते। कई बार किसी विषय को समझने के लिए समय, अभ्यास और असफल प्रयासों की आवश्यकता होती है। इसलिए शिक्षा के सामने चुनौती है कि वह सीखने को रोचक बनाए, लेकिन हर सीखने के अनुभव को मनोरंजन में न बदले। बच्चों में यह क्षमता विकसित करनी होगी कि वे कठिन और धीमे काम पर भी लंबे समय तक ध्यान केंद्रित कर सकें।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नया बचपन

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने जनरेशन अल्फा के सामने एक नई दुनिया खोल दी है। अकसवालों के जवाब दे सकता है, कठिन विषय समझा सकता है, भाषाओं का अनुवाद कर सकता है, चित्र बना सकता है और सीखने में व्यक्तिगत सहायता प्रदान कर सकता है। लेकिन उत्तर प्राप्त करना और समझ विकसित करना एक ही बात नहीं है। यदि बच्चा हर कठिन सवाल का उत्तर अकसे प्राप्त कर ले, हर अनुच्छेद अकसे लिखवा ले या हर समस्या का समाधान किसी डिजिटल उपकरण से करवा ले, तो तत्काल काम पूरा हो सकता है, लेकिन सीखने की प्रक्रिया कमजोर पड़ सकती है। गलतियां करना, दोबारा प्रयास करना, सवाल पूछना, असफल होना और स्वयं समाधान खोजने की कोशिश करना बौद्धिक विकास के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। इसलिए भविष्य की शिक्षा में अकसे बच्चों को दूर रखना समाधान नहीं है। उन्हें यह सिखाना आवश्यक है कि अकका उपयोग करें, लेकिन अपनी सोच को अकके हवाले न करें।

जानकारी बहुत है, लेकिन विवेक?

जनरेशन अल्फा के पास इतिहास की किसी भी पिछली पीढ़ी की तुलना में अधिक जानकारी तक पहुंच है। कुछ ही क्षणों में वे अंतरिक्ष, विज्ञान, गणित, इतिहास, भूगोल या किसी भाषा के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

लेकिन जानकारी और ज्ञान एक ही चीज नहीं हैं।

इंटरनेट पर किसी जानकारी को खोज लेना यह सुनिश्चित नहीं करता कि वह सही भी है। बच्चों को तथ्य और राय में अंतर समझना होगा। उन्हें विश्वसनीय और अविश्वसनीय स्त्रोतों में अंतर करना सीखना होगा। इसलिए डिजिटल साक्षरता आज शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है।

भविष्य का शिक्षित बच्चा केवल यह नहीं जानेगा कि क्या खोजना है, बल्कि यह भी जानेगा कि किस पर विश्वास करना है, क्या जांचना है और किस पर सवाल उठाना है।

दोस्ती का बदलता स्वरूप

तकनीक ने दोस्ती की परिभाषा को भी बदल दिया है। बच्चे मैसेजिंग, ऑनलाइन गेम और डिजिटल समुदायों के माध्यम से संपर्क में रह सकते हैं।

यह संवाद के नए अवसर पैदा करता है, लेकिन आमने-सामने की बातचीत का महत्व समाप्त नहीं करता। बच्चे वास्तविक जीवन में दूसरों की बात सुनना, अपनी बात रखना, साझा करना, सहयोग करना, मतभेद सुलझाना और दूसरों की भावनाओं को समझना सीखते हैं। इसलिए डिजिटल संवाद और वास्तविक सामाजिक अनुभवों के बीच संतुलन आवश्यक है।

प्रकृति से बढ़ती दूरी

बचपन में एक और महत्वपूर्ण बदलाव प्रकृति से दूरी का है। कई बच्चे डिजिटल दुनिया के पात्रों और खेलों के बारे में बहुत कुछ जानते हैं, लेकिन आसपास के पेड़-पौधों, पक्षियों या कीड़ों के बारे में कम जानते हैं।

प्रकृति स्वयं एक महान शिक्षक है।

पक्षी का घोंसला देखना निरीक्षण सिखाता है। पौधा लगाना धैर्य सिखाता है। बगीचे में घूमना इंद्रियों को सक्रिय करता है। रात के आकाश को देखना ब्रह्मांड के प्रति जिज्ञासा पैदा करता है। यदि हम आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना चाहते हैं, तो उन्हें प्रकृति से भावनात्मक रूप से जोड़ना भी होगा।

धर्म के नाम पर राजनीति और राजनीति के नाम पर समाज: आखिर बंट कौन रहा है?

एनके शर्मा
लेखक

धर्म मनुष्य को जोड़ने की सबसे प्राचीन और शक्तिशाली चेतना है। वह मनुष्य को सत्य, करुणा, संयम, न्याय और सह-अस्तित्व का रास्ता दिखाता है। राजनीति का मूल उद्देश्य भी समाज को व्यवस्थित करना, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना और सामूहिक जीवन को बेहतर बनाना है। लेकिन जब धर्म सत्ता की सीढ़ी और राजनीति धार्मिक पहचान का व्यापार बन जाती है, तब दोनों की मूल आत्मा घायल होने लगती है। प्रश्न यह नहीं रह जाता कि धर्म किसका है और राजनीति किसकी; असली प्रश्न यह है कि इस खेल में आखिर बंट कौन रहा है—धर्म, समाज, नागरिक या स्वयं लोकतंत्र?

आज दुनिया के अनेक लोकतंत्रों में पहचान की राजनीति एक निर्णायक शक्ति बन चुकी है। जाति, धर्म, नस्ल, भाषा, क्षेत्र और सांस्कृतिक पहचान के प्रश्न राजनीतिक विमर्श का हिस्सा हैं। पहचान अपने आप में समस्या नहीं है; समस्या तब पैदा होती है जब राजनीतिक लाभ के लिए पहचान को भय, घृणा और असुरक्षा में बदल दिया जाता है। मतदाता तब नागरिक नहीं रहता, वह एक 'समुदाय' में बदल दिया जाता है; उसकी आर्थिक कठिनाइयाँ, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और महँगाई जैसे वास्तविक प्रश्न पीछे धकेल दिए जाते हैं और उसकी भावनाओं को चुनावी मुद्दा बना दिया जाता है। धर्म राजनीति में तब खतरनाक हथियार बनता है जब आस्था को विवेक के विरुद्ध खड़ा कर दिया जाए। मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा या किसी भी धार्मिक प्रतीक का सम्मान समाज की सांस्कृतिक संवेदना का हिस्सा हो सकता है, लेकिन धार्मिक प्रतीकों को राजनीतिक ध्रुवीकरण का साधन बना देना लोकतांत्रिक चेतना के लिए गंभीर चुनौती है। आस्था व्यक्ति की आत्मिक स्वतंत्रता है; उसे वोट की गणित में बदलना आस्था का सम्मान नहीं, उसका राजनीतिक उपयोग है। राजनीति की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह जनता की कमजोरियों को पहचानती है और उन्हें अपनी ताकत बना लेती है। बेरोजगार युवा को नौकरी चाहिए, किसान को उचित आय चाहिए, मध्यम वर्ग को महँगाई से राहत चाहिए, गरीब को सम्मानजनक जीवन चाहिए और बुजुर्ग को सुरक्षित भविष्य चाहिए। लेकिन यदि इन प्रश्नों के उत्तर कठिन हों, तो भावनात्मक प्रश्नों को आसान उत्तर की तरह प्रस्तुत करना सुविधाजनक हो जाता है। इतिहास, धर्म, गौरव, अपमान और पहचान के प्रश्नों में भीड़ को संगठित करना अक्सर सड़क, स्कूल, अस्पताल और रोजगार की समस्याओं को हल करने से कहीं आसान होता है। यहीं से लोकतंत्र का एक खतरनाक रूप जन्म लेता है—जहाँ जनता के वास्तविक दुःख राजनीतिक विमर्श के केंद्र में नहीं, बल्कि उसके

किनारे पड़े रहते हैं। चुनाव आते हैं तो समाज को बताया जाता है कि सबसे बड़ा संकट कौन है; लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद वही समाज अपने रोजमर्रा के संघर्षों के साथ अकेला छोड़ दिया जाता है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब होती है जब नागरिक अपने पड़ोसी को पहले धर्म, जाति या राजनीतिक पहचान से देखने लगता है और मनुष्य के रूप में बाद में। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन जब मतभेद शत्रुता में बदल जाएँ तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होने लगती है। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा आवश्यक है, पर सामाजिक वैमनस्य लोकतंत्र की कीमत नहीं हो सकता। सोशल मीडिया ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। डिजिटल संसार में वही सामग्री तेजी से फैलती है जो भावनाओं को उत्तेजित करे। क्रोध, भय और सनसनी तथ्य की तुलना में अधिक तेजी से यात्रा करते हैं। आधी-अधूरी सूचनाएँ, पुराने वीडियो, संदर्भ से काटे गए बयान और भावनात्मक संदेश कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुँच सकते हैं। परिणाम यह होता है कि समाज में वास्तविक घटनाओं से अधिक उनके राजनीतिक संस्करण प्रभावशाली होने लगते हैं। यहाँ मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पत्रकारिता का काम सत्ता से सवाल पूछना, तथ्य की जाँच करना और जनता को वास्तविकता से परिचित कराना है। लेकिन जब समाचार और प्रचार के बीच की रेखा धुंधली होने लगे, जब बहस का उद्देश्य समाधान नहीं बल्कि उत्तेजना पैदा करना बन जाए, तब लोकतंत्र का चौथा स्तंभ स्वयं प्रश्नों के घेरे में आ जाता है। समाज को सूचना चाहिए, उन्माद नहीं; संवाद चाहिए, शोर नहीं। फिर भी दोष केवल राजनीतिक दलों का नहीं है। समाज की अपनी जिम्मेदारी भी कम नहीं है। यदि नागरिक हर उत्तेजक संदेश को बिना जाँच के स्वीकार कर लें, हर राजनीतिक आरोप को सत्य मान लें और हर असहमति को राष्ट्रविरोध या धर्मविरोध की संज्ञा दे दें, तो राजनीतिक शक्तियों के लिए समाज को विभाजित करना आसान हो जाता है। लोकतंत्र केवल मतदान की व्यवस्था नहीं; यह विवेक, प्रश्न करने की क्षमता और असहमति को स्वीकार करने की संस्कृति भी है। धर्म की वास्तविक शक्ति विभाजन में नहीं, आत्मसंयम में है। किसी भी महान धार्मिक परंपरा की मूल शिक्षाओं में करुणा, सत्य, सेवा और मानव-मयार्दा जैसे मूल्य दिखाई देते हैं। यदि धर्म के नाम पर मनुष्य मनुष्य से घृणा करने लगे, तो यह विचार करना आवश्यक है कि हम धर्म का पालन कर रहे हैं या उसके नाम का राजनीतिक इस्तेमाल देख रहे हैं। इसी प्रकार राजनीति की सफलता इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि उसने कितने लोगों को अपने पक्ष में खड़ा किया, बल्कि इस बात से कि उसने कितने लोगों का जीवन बेहतर बनाया। एक सरकार की असली उपलब्धि केवल विशाल परियोजनाओं, नारों और चुनावी विजय में नहीं होती; उसकी कसौटी यह है कि अंतिम पंक्ति में खड़ा नागरिक कितना सुरक्षित, सम्मानित और सक्षम महसूस करता है। आज आवश्यकता किसी धर्म को राजनीति से पूरी तरह अलग करने की अव्यावहारिक कल्पना की नहीं, बल्कि धर्म और राजनीति के बीच एक स्वस्थ नैतिक दूरी की है। धार्मिक आस्था नागरिक का अधिकार है, लेकिन राज्य का दायित्व सभी नागरिकों के प्रति समान होना चाहिए। लोकतंत्र में बहुमत सरकार बना सकता है, पर संविधान और नागरिक अधिकार बहुमत की मनमानी पर भी सीमाएँ लगाते हैं। यही लोकतांत्रिक सभ्यता की पहचान है। हमें यह प्रश्न बार-बार पूछना होगा—जब धर्म के नाम पर समाज बाँटा जाता है तो लाभ किसे मिलता है? जब जाति के नाम पर पड़ोसी पड़ोसी से दूर होता है तो मजबूत कौन होता है? जब महँगाई और बेरोजगारी की चर्चा पीछे छूट जाती है और पहचान की लड़ाई आगे आ जाती है तो जवाबदेही से कौन बचता है? और जब नागरिक एक-दूसरे से लड़ते हैं, तब सत्ता से सवाल कौन पूछता है? शायद सबसे बड़ा सत्य यही है कि समाज तब नहीं टूटता जब उसके बीच मतभेद होते हैं; समाज तब टूटता है जब मतभेदों को दुश्मनी में बदल दिया जाता है। लोकतंत्र तब नहीं कमजोर होता जब सरकार की आलोचना होती है; लोकतंत्र तब कमजोर होता है जब आलोचना को अपराध और प्रश्न को विद्रोह समझ लिया जाता है। आज हमें धर्म के विरुद्ध राजनीति नहीं, धर्म की आड़ में होने वाली राजनीति के विरुद्ध विवेक चाहिए। हमें राजनीति के विरुद्ध समाज नहीं, राजनीति को जवाबदेह बनाने वाला समाज चाहिए। हमें ऐसे नागरिक चाहिए जो मंदिर भी जा सकें और अस्पताल की बदहाली पर सवाल भी उठा सकें; अपनी धार्मिक पहचान पर गर्व भी कर सकें और दूसरे की आस्था का सम्मान भी; किसी दल को वोट भी दें और उसके गलत निर्णय का विरोध भी करें। क्योंकि अंततः देश किसी एक धर्म, जाति या राजनीतिक दल का नहीं होता। देश उस किसान का भी है जिसकी फसल मौसम और बाजार के बीच पिसती है, उस मजदूर का भी है जो महानगर बनाता है पर स्वयं असुरक्षित रहता है, उस युवा का भी है जो डिग्री लेकर रोजगार खोजता है, उस महिला का भी है जो सुरक्षा और सम्मान चाहती है और उस बुजुर्ग का भी है जिसने अपनी पूरी जिंदगी राष्ट्र के निर्माण में लगा दी।

इसलिए असली सवाल यह नहीं

त्योहार

रक्षाबंधन 2026: भाई-बहन के अटूट प्रेम के साथ होगा पवित्र सावन माह का समापन

डॉ. सोनिका जैन
लेखिका

भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और रक्षा के संकल्प का पर्व 'रक्षाबंधन इस वर्ष शुक्रवार, 28 अगस्त 2026' को मनाया जाएगा। इस बार रक्षाबंधन का धार्मिक महत्व और भी विशेष है, क्योंकि इसी दिन श्रावण पूर्णिमा के साथ उत्तर भारत में पवित्र सावन माह का समापन भी हो रहा है। पंचांग के अनुसार दिल्ली एवं उत्तर भारत में सावन का समापन 28 अगस्त को होगा। रक्षाबंधन का पर्व श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उसके स्वस्थ, सुखी और दीघार्यु जीवन की कामना करती है, वहीं भाई अपनी बहन के सम्मान, सहयोग और रक्षा का संकल्प लेता है। इसलिए राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि 'स्नेह, विश्वास, कर्तव्य और पारिवारिक संस्कारों का प्रतीक' है।

रक्षाबंधन का शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त को प्रातः लगभग 9:08 बजे प्रारंभ होकर 28 अगस्त को प्रातः 9:48 बजे तक रहेगी। इस वर्ष विशेष बात यह है कि भद्रा सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाएगी, इसलिए 28 अगस्त की सुबह बिना भद्रा के राखी बांधी जा सकेगी। दिल्ली के पंचांग के अनुसार राखी बांधने का शुभ समय प्रातः 5:57 बजे से 9:48 बजे तक रहेगा। अलग-अलग शहरों में सूर्योदय के कारण शुभ समय के आरंभ में कुछ मिनटों का अंतर संभव है, इसलिए स्थानीय पंचांग के अनुसार समय में मामूली परिवर्तन हो सकता है।

सावन की विदाई भी इसी दिन

इस वर्ष रक्षाबंधन के साथ ही भगवान शिव को अत्यंत प्रिय श्रावण मास की भी विदाई होगी। श्रावण पूर्णिमा सावन का अंतिम दिन है। पूरे सावन भगवान शिव की आराधना, जलाभिषेक, व्रत और पूजा करने के बाद पूर्णिमा पर श्रद्धालु पूजा-पाठ, दान और धार्मिक कार्यों के साथ इस पवित्र मास को विदा करते हैं। इस प्रकार इस बार 28 अगस्त का दिन 'शिव भक्ति और भाई-बहन के प्रेम का सुंदर संगम' लेकर आएगा। एक ओर सावन की साधना पूर्ण होगी, वहीं दूसरी ओर बहनें भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर पारिवारिक रिश्तों को और मजबूत करेंगी। रक्षाबंधन हमें यह संदेश भी देता है कि रक्षा का भाव केवल भाई-बहन तक सीमित न रहे। हमें परिवार, समाज, प्रकृति, संस्कृति और मानवीय मूल्यों की रक्षा का भी संकल्प लेना चाहिए। प्रेम और विश्वास से बंधा यही रक्षा सूत्र समाज में आपसी सद्भाव और एकता को मजबूत कर सकता है।

कार्यों में लापरवाही और गंभीर अनियमितताओं पर बीएसए की बड़ी कार्रवाई, तीन प्रधानाध्यापक निलंबित

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) हापुड़ ने परिषदीय विद्यालयों में पठन-पाठन, शासन की प्राथमिक योजनाओं के संचालन तथा अभिलेखों के रखरखाव में गंभीर लापरवाही मिलने पर तीन प्रधानाध्यापकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। औचक निरीक्षण के दौरान सामने आई अनियमितताओं और विभागीय निदेशों की अवहेलना के चलते तीनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उ०प्रा०वि० छिजारसी, धौलाना के प्रधानाध्यापक इरशाद अली के विद्यालय में निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन (एमडीएम) पंजिका अपूर्ण मिली। छात्र उपस्थिति और एमडीएम पंजिका में दर्ज

विद्यार्थियों की संख्या में अंतर पाया गया, जिससे वित्तीय अनियमितता की स्थिति सामने आई। इसके अलावा विद्यालय में समय-सारणी चस्पा नहीं थी, शौचालयों में ताले बंद मिले और हैंडवॉश की टोंटियां गायब मिलीं। कारण बताओ नोटिस के संबंध में समय से साक्ष्य प्रस्तुत नहीं करने पर भी उनके विरुद्ध कार्रवाई की गई।

कंपोजिट विद्यालय लाखन, धौलाना की प्रधानाध्यापक सुधा रानी पर बिना पूर्व स्वीकृति चार अध्यापकों के अवकाश अग्रसारित करने, एमडीएम पंजिका दो माह से अपूर्ण रखने तथा विद्यालय परिसर में खुले नाले और जर्जर भवन का असुरक्षित उपयोग किए जाने के मामले में कार्रवाई की गई। निरीक्षण में 210 विद्यार्थियों के सापेक्ष मात्र एक शौचालय संचालित मिला, वह भी गंदा पाया गया। इसके अलावा विगत वर्षों की कंपोजिट ग्रांट का हिसाब और जियो-टैग फोटो प्रस्तुत नहीं किए गए। बीएसए कार्यालय द्वारा सुनवाई के लिए दो बार पत्र जारी किए जाने के बावजूद उपस्थित न होने पर भी उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई।

प्राथमिक विद्यालय वैठ, सिम्भावली की सहायक अध्यापक/इंचार्ज प्रधानाध्यापक अंजली भारती के विद्यालय में निरीक्षण दिवस पर छात्र-छात्राओं को मध्यान्ह भोजन वितरित नहीं किया गया। इसे शासन एवं निर्धारित निदेशों का उल्लंघन माना गया। एमडीएम पंजिका में मात्र एक छात्र दर्ज पाया गया, जबकि शिक्षकों की डायरी कई महीनों से अपूर्ण थी। विद्यालय में निपुण तालिका भी चस्पा नहीं मिली। इन गंभीर अनियमितताओं के चलते उन्हें भी निलंबित किया गया है।

लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं: बीएसए

बीएसए हापुड़ ने स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक आचरण नियमावली, 1956 तथा उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999 के तहत तीनों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई संस्थित की गई है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता, बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं।

गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने ग्राम झड़ीना-लोधीरपुर रोड स्थित मुर्गा फार्म हाउस में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान, चोरी करने के उपकरण, घटना में प्रयुक्त सैंट्रो कार तथा अवैध असलहा बरामद किया है।पुलिस के अनुसार, जनपद में अपराध की रोकथाम एवं चोरी की घटनाओं के सफल अनावरण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने संबंधित मुकदमे में कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुड्डू उर्फ मनोज पुत्र धनसिंह निवासी ग्राम दराब थाना आहार, बुलंदशहर, कल्लू पुत्र देवेशरण निवासी ग्राम बालका थाना औरंगाबाद, बुलंदशहर, गोविंद पुत्र नील आवेदकर निवासी औरंगाबाद थाना औरंगाबाद, बुलंदशहर तथा आकाश पुत्र राजाराम निवासी राजारामपुर फूटा कृष्ण नगर थाना स्याना, बुलंदशहर के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 02 बेटरा, 02 इन्वर्टर, एक स्टेबलाइजर/चार्जर, अल्टीमेट का राजू, चोरी करने के उपकरण, एक सैंट्रो कार संख्या उछ 5 उए 4579, एक अवैध तमंचा मय एक जिंदा कारतूस .315 बोर तथा एक अवैध चाकू बरामद किया है।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं। इनके विरुद्ध जनपद बुलंदशहर, गाजियाबाद और हापुड़ में लूट, चोरी, हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में करीब चार दर्जन आपराधिक अभियोग पंजीकृत हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

डॉ वीरेंद्र सिंह सर्जन ने ग्राम शहबाजपुर एवं नेनु नांगल में लोगों से किया संवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

नूरपुर। नूरपुर विधानसभा 24 के संभावित प्रत्याशी डॉ वीरेंद्र सिंह सर्जन ने नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम शहबाजपुर एवं नेनु नांगल में क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्रामवासियों एवं सम्मानित लोगो से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं, आवश्यकताओं एवं सुझावों को लेकर विस्तारपूर्वक संवाद किया। तथा उनकी बातों को गंभीरता से सुना। इस मौके पर डॉ वीरेंद्र सिंह नें ग्रामवासियों से जनसंपर्क किया। ग्रामवासियों से मिला स्नेह, सम्मान और विश्वास जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास एवं जनहित के लिए निरंतर समर्पित रहना ही मेरा संकल्प है। डॉ वीरेंद्र सिंह ने शाहबाजपुर एवं नेनु नांगल के सभी सम्मानित ग्रामवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

आगामी त्योहारों को लेकर डीएम-एसपी ने की बैठक, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। आगामी त्योहारों को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने तथा त्योहारों के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा आमजन की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के लिए कहा गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो, इसके लिए क्षेत्र में लगातार भ्रमण एवं निगरानी की जाए। असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों से आमजन के साथ बेहतर संवाद बनाए रखने और छोटी से छोटी सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने को भी कहा गया।अधिकारियों ने बैठक में दिए गए निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन करते हुए आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने का भरोसा दिलाया।

सभासद ने क्षेत्रीय विधायक को पत्र भेजकर बिजली व्यवस्था में सुधार की मांग की

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा। वार्ड-11 के सभासद मोहम्मद रईस ने क्षेत्रीय विधायक को पत्र भेजकर नगर की बिजली व्यवस्था में सुधार की मांग की है। उन्होंने लिखा है कि कई इलाकों में ट्रांसफॉर्मर ओवरलोड होने और एबीसी वायर जर्जर होने से बिजली की गंभीर समस्या बनी हुई है। ईद वाली बगिया (गोल्डन राइस मिल के पास) में पहले दो ट्रांसफॉर्मर लगे थे। इनमें से एक हटा लिया गया है। अब अकेले ट्रांसफॉर्मर पर ज्यादा लोड पड़ने से वह बार-बार खराब हो जाता है। यहां दूसरा ट्रांसफॉर्मर लगाने और पुरानी लीड व तार बदलने की जरूरत है। मोहल्ला काजीपुरा (शाही मस्जिद के पास) में भी ट्रांसफॉर्मर पर जरूरत से ज्यादा लोड है, जिससे वह बार-बार खराब होता रहता है। मोहल्ला मनिहारान (बच्चे वाले कब्रिस्तान के पास) में ट्रांसफॉर्मर की क्षमता से अधिक लोड होने के कारण बिजली की आपूर्ति लगातार बाधित रहती है। मोहल्ला मस्जिद कोहना में भी बिजली की काफी गंभीर समस्या है। यहां विभागीय जांच करवाकर जल्द समाधान कराने की मांग की गई है। सभासद ने पत्र में कहा है कि नगर के कई स्थानों पर कम क्षमता के ट्रांसफॉर्मर और जर्जर एबीसी केबल के कारण बिजली बार-बार कट जाती है। इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। समस्या का जल्द समाधान जरूरी है।

अपर जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक बैठक का किया आयोजन

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निदेर्शों, माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बिजनौर संजय कुमार सप्तम के मार्गदर्शन में दिनांक 12 सितंबर, 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की भव्य सफलता हेतु दिनांक 24 अगस्त, 2026 को सांय 03.30 बजे जिला जजी परिसर स्थित ए०डी०आर० भवन, बिजनौर के सभागार में नोडल ऑफिसर (राष्ट्रीय लोक अदालत) लोकश नागर, अपर जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसका संचालन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बिजनौर श्रीमती स्वाति चन्द्रा द्वारा किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों से नियुक्त राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु नोडल अधिकारीगण एवं विभिन्न बैंकों के प्रबन्धकगण उपस्थित हुए। बैठक में उपस्थित अधिकारीगण से आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर उनका निस्तारण करने एवं राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार अपने अपने स्तर से करने का आग्रह किया गया। जिसके क्रम में उप-जिलाधिकारी बिजनौर द्वारा अवगत कराया गया कि राजस्व विभाग से तद्दिनांक तक कुल 59812 वादों को चिन्हित किया गया है, प्रबन्धक दूरसंचार विभाग द्वारा बताया गया कि दूरसंचार के कुल 800 वादों को चिन्हित किया गया है, प्रबन्धक अग्रणी बैंक द्वारा अवगत कराया गया कि बैंकों से कुल 22000 वादों को चिन्हित किया गया है। इसके पश्चात नोडल ऑफिसर, राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा उप-मुख्य चिकत्साधिकारी, बिजनौर को लोक अदालत वाले दिन पक्षकारों को उचित स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु एवं उप जिलाधिकारी को लोक अदालत वाले दिन जजी परिसर, बिजनौर में मूलभूत सुविधायें व समुचित व्यवस्थता उपलब्ध कराये जाने हेतु कहा गया। इसके पश्चात मा० राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में माननीय जनपद न्यायाधीश श्री संजय कुमार सप्तम के मार्गदर्शन में दिनांक 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की भव्य सफलता हेतु सांय 04.30 बजे जिला जजी परिसर स्थित ए०डी०आर० भवन, बिजनौर के सभागार में नोडल ऑफिसर (राष्ट्रीय लोक अदालत) लोकश नागर अपर जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक अधिकारीगण के साथ बैठक का आयोजन किया गया, जिसका संचालन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बिजनौर श्रीमती स्वाति चन्द्रा द्वारा किया गया।बैठक में उपस्थित सभी न्यायिक अधिकारीगण को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर उनका निस्तारण करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। साथ ही चिन्हित वादों में नोटिसों की तामिला कम से कम दो बार कराए जाने पर विशेष जोर दिया। अगामी 12 सितम्बर, 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में शमनीय अपराधिक वाद, धारा 138 एनआईएक्ट वाद, मोटर एक्सीडेंट क्लेम वाद, श्रम वाद, बैंक वसूली बाद, विधुत अधिनियम वाद, राजस्व वाद व सिविल बाद मोटर वाहन ई चालान, लघु आपराधिक वाद का निस्तारण किया जायेगा।

भाईचारा सम्मेलन में उमड़ा सपा समर्थकों का सैलाब, सुधीर चौहान ने दिया एकजुटता का संदेश

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के सलारपुर-पलवाड़ा रोड स्थित चित्तौड़ा में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट सुधीर चौहान के कैंप कार्यालय पर भव्य भाईचारा सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में सपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी। हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं सपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ. आकिल मुर्तजा तथा पूर्व मंत्री कमाल अख्तर रहे। दोनों नेताओं ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का आह्वान किया।सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट सुधीर चौहान ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा सर्व समाज के भाईचारे, सामाजिक न्याय और आपसी सौहार्द की राजनीति करती रही है। उन्होंने कहा कि समाज को जाति और धर्म के नाम पर बांटने के बजाय सभी वर्गों को साथ लेकर चलना ही प्रदेश की तरक्की का रास्ता है। गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में सपा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद कर रहे हैं और पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचा रहे हैं।

सुधीर चौहान ने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी पूरी ताकत के साथ विधानसभा चुनाव लड़ेगी और जनता के सहयोग से प्रदेश में समाजवादी सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कार्यकताओं से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट रहने तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की अपील की।पूर्व मंत्री कमाल अख्तर ने प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं के लिए 40 हजार रुपये की सहायता, 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली और समाजवादी पेंशन योजना लागू करने का काम किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी प्रदेश में 300 सीटें जीतने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सम्मेलन के दौरान नेताओं ने कहा कि भाईचारा, सामाजिक एकता और विकास समाजवादी पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। कार्यक्रम में कार्यकताओं और समर्थकों में खासा उत्साह दिखाई दिया।इस अवसर पर सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट सुधीर चौहान, जिलाध्यक्ष हापुड़ आनंद गुर्जर, अख्तर मलिक, रिंकू सिंह, आशीष चौहान समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

बाबा नीम करोली धाम पर सम्राट बिल्डर्स एंड प्रॉपर्टीज ग्रुप के कार्यालय का हुआ शुभारंभ, विशाल भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। मोदीनगर रोड स्थित चौकडायत भट्टे के बराबर बाबा नीम करोली धाम पर सम्राट बिल्डर्स एंड प्रॉपर्टीज ग्रुप के नए कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के साथ सावन के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम की शुरूआत सम्राट ग्रुप के चेयरमैन विनोद कुमार सागर एवं उनके परिवार द्वारा बाबा नीम करोली की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर तथा बाबा को भोग अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद भंडारे का शुभारंभ किया गया। भंडारा सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला, जिसमें श्रद्धालुओं को श्रद्धापूर्वक प्रसाद वितरित किया गया।इस अवसर पर आजाद समाज पार्टी के आगामी विधानसभा प्रत्याशी वीरेश कुमार शिरीष, मालती भारती, कांग्रेस पार्टी की मानवी सिंह, विनोद कुमार सागर, पप्पू, पायल, के.पी. सिंह सहित बाहर से आए अतिथियों ने बाबा नीम करोली के चित्र पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया।वहीं कार्यालय के उद्घाटन के शुभ अवसर पर विजय राणा ने भी दोबारा सम्राट ग्रुप में वापसी की, जिसका साथियों ने स्वागत किया। भंडारे के आयोजन में सम्राट ग्रुप के सभी वर्करों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।विनोद कुमार सागर की रही विशेष भूमिका सम्राट ग्रुप के चेयरमैन विनोद कुमार सागर ने कहा कि धार्मिक आस्था, सामाजिक सेवा और जनसरोकार से जुड़े आयोजनों में सहभागिता समाज को जोड़ने का कार्य करती है। उनकी कार्यशैली में व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी और लोगों के प्रति सम्मान को भी विशेष स्थान दिया जाता है। विनोद सागर का मानना है कि सफलता वही सार्थक है, जिसका लाभ समाज और जरूरतमंद लोगों तक भी पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान सम्राट ग्रुप के साथी, कर्मचारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने नए कार्यालय के शुभारंभ पर ग्रुप के चेयरमैन विनोद कुमार सागर को शुभकामनाएं दीं।

8वें निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 1940 चश्मों का वितरण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

चांदपुर। फादरसन पब्लिक स्कूल, स्याऊ में आभा फाउंडेशन द्वारा आयोजित 8वें निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के तहत आज 1940 चश्मों का निःशुल्क वितरण किया गया। यह चश्मे उन लोगों को वितरित किए गए, जिनकी आंखों की जांच 16 अगस्त 2026 को आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर में की गई थी। 16 अगस्त 2026 को लगाए गए इस शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर अपनी आंखों की जांच कराई थी। जांच के दौरान जिन लोगों को चश्मे की आवश्यकता पाई गई, उनके आंखों के नंबर लिए गए और उसी के अनुसार चश्मे तैयार कराए गए। इसके बाद आज सभी तैयार चश्मों का निःशुल्क वितरण किया गया।चश्मे प्राप्त करने पहुंचे लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। लोगों ने कहा कि आभा फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए किया जा रहा यह सेवा कार्य बेहद सराहनीय है। लाभार्थियों ने आभा फाउंडेशन की संस्थापिका आभा सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फाउंडेशन द्वारा न केवल आंखों की जांच कराई गई, बल्कि जांच के बाद जरूरतमंद लोगों को उनकी आंखों के नंबर के अनुसार बेहतरीन गुणवत्ता के चश्मे भी निःशुल्क उपलब्ध कराए गए। लाभार्थियों ने चश्मों की गुणवत्ता और फिटिंग की भी जमकर प्रशंसा की। लोगों ने कहा कि महंगे चश्मे बनवाना कई जरूरतमंद परिवारों के लिए मुश्किल होता है, ऐसे में आभा फाउंडेशन की यह पहल उनके लिए बड़ी मदद है। आभा सिंह ने कहा कि आभा फाउंडेशन का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य एवं जनसेवा की सुविधाएं पहुंचाना है। इसी उद्देश्य के साथ लगातार निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, चश्मा वितरण एवं अन्य सेवा कार्य किए जा रहे हैं। 1940 लोगों को रोशनी का सहारा देने वाला यह कार्यक्रम क्षेत्र में जनसेवा की एक और मिसाल बना। लाभार्थियों ने आभा फाउंडेशन और आभा सिंह का धन्यवाद करते हुए कहा कि जरूरतमंदों की आंखों में रोशनी और उनके जीवन में सुविधा लाने का यह प्रयास वास्तव में काबिले-तारीफ है।

उत्तराखंड में 50 रोपवे परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

सीएम धामी ने लंबित प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने और देरी वाली परियोजनाओं के लिए नई समयसीमा तय करने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

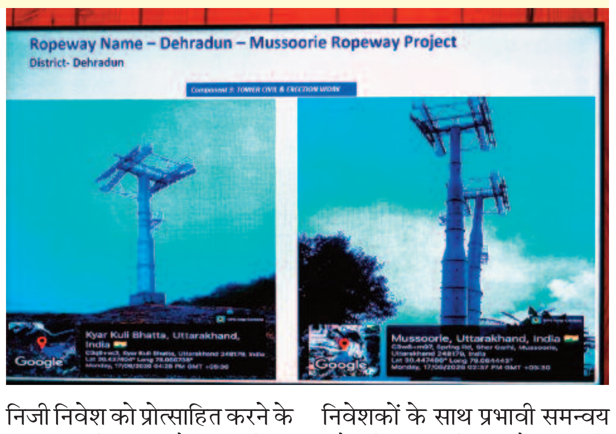

देहरादून। उत्तराखंड में रोपवे परियोजनाओं को गति देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में शासकीय आवास पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पर्वतमाला परियोजना के तहत प्रस्तावित 50 रोपवे परियोजनाओं से संबंधित लंबित प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त परियोजनाओं में हो रही देरी के कारणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को नई समयसीमा निर्धारित कर कार्य में तेजी लाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्वतीय क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाने के साथ-साथ पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में रोपवे परियोजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैठक में मुख्यमंत्री ने सोनप्रयाग-केदारनाथ, टनकपुर-पूर्णागिरि, काठगोदाम-नैनीताल, गोविंदघाट-हेमकुंड साहिब, कनकचौरी-कार्तिक स्वामी, देहरादून-मसूरी और जानकीचट्टी सहित प्रमुख रोपवे परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। इसके साथ ही हरिद्वार-ऋषिकेश क्षेत्र में प्रस्तावित रोपवे परियोजनाओं, उत्तराखंड रोपवे डेवलपमेंट लिमिटेड की कार्यप्रगति तथा भविष्य की परियोजनाओं को धरातल पर उतारने को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रत्येक रोपवे परियोजना के साथ पर्याप्त पार्किंग सुविधा को भी समेकित योजना का हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने कहा कि रोपवे निर्माण के साथ यात्रियों और पर्यटकों की सुविधा के लिए आधारभूत ढांचे का विकास भी आवश्यक है। उन्होंने निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए लाइसेंसिंग और अनुमोदन प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। साथ ही सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से अधिक से अधिक रोपवे परियोजनाओं को जल्द धरातल पर उतारने के लिए निवेशकों के साथ प्रभावी समन्वय और ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समयसीमा में आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने और निर्माण कार्यों में तेजी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निगम सफाई कर्मचारी से मारपीट का आरोप, कार्रवाई की मांग को लेकर सदर बाजार थाने पहुंचे कर्मचारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र के औरंगाबाद स्थित कृष्ण धाम कॉलोनी में नगर निगम के सफाई कर्मचारी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़ित कर्मचारी के समर्थन में नगर निगम के सफाई कर्मचारी अपनी कूड़ेदान उठाने वाली गाड़ियों के साथ थाना सदर बाजार पहुंच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक दर्जन से अधिक नगर निगम कर्मचारी थाने में मौजूद हैं और कृष्ण धाम कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि सफाई कार्य के दौरान कर्मचारी के साथ मारपीट की गई। मामले को लेकर कर्मचारियों में आक्रोश है। पुलिस अधिकारियों से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के संबंध में तहरीर एवं अन्य तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की बात कही जा रही है।

रुड़की से दिल्ली और देहरादून का सफर होगा आरामदायक

इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया गया शुरू

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। रुड़की बस स्टैंड से आज नई इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का शुभारंभ किया गया। कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। ये आधुनिक बसें रुड़की से दिल्ली और रुड़की से देहरादून मार्गों पर संचालित होंगी, जिससे यात्रियों को प्रदूषण-मुक्त, आरामदायक और किफायती यात्रा का अनुभव मिलेगा। कैबिनेट मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार देवभूमि उत्तराखंड को हरित और सशक्त इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ने के लिए पूरी निष्ठा से कार्यरत है। इस अवसर पर उत्तराखंड परिवहन निगम के सम्मानित सदस्य, पार्षदगण, मंडल अध्यक्षगण समेत अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रायश्चित, आत्मशुद्धि व स्वाध्याय का पर्व है श्रावणी उपाकर्म: पं. अमित भारद्वाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। श्रावण पूर्णिमा को श्रवण नक्षत्र में ब्राह्मणो विशेष रूप से वेदपाठी, धमार्चार्यों, विद्वतजनों द्वारा पुरातन काल से चली आ रही वैदिक परंपरा का निर्वहन श्रावणी उपाकर्म संस्कार है। धर्म सलाहकार पंडित अमित भारद्वाज ने बताया कि इस संस्कार का प्रमुख उद्देश्य वर्ष भर में ज्ञात अज्ञात कारणों से हुई त्रुटि का प्रायश्चित, आत्मशुद्धि कर सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करना है। श्रावणी के अंग प्रायश्चित, आत्मशुद्धि, संकल्प, संस्कार व स्वाध्याय है। यह संस्कार किसी पवित्र नदी सरोवर के तट पर व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से किया जाता है। हेमाद्रि स्नान किया जाता है। नदी की रज, भस्म, अपामार्ग, अकउआ कुशा आदि से स्नान वैदिक विधि से मंत्रोच्चार के मध्य किया जाता है। वाह्य व अंतःकरण की शुद्धि के लिए पंचगव्य (गौ दुग्ध, दधि, घृत, गौमूत्र, गोबर) से स्नान व इसका पान किया जाता है । इस प्रक्रिया में देव तर्पण, ऋषि तर्पण, पितृ तर्पण सप्तऋषि पूजन, गायत्री पूजन के अलावा वर्षभर पहने जाने वाले यज्ञोपवीतों (जनेऊ) का पूजन कर अभिमंत्रित किया जाता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को श्रवण नक्षत्र में करने का विधान है। यजुर्वेदी ब्राह्मण पूर्णिमा को लेकिन ऋग्वेदी व सामवेदी ब्राह्मण यदि नाग पंचमी को हस्त नक्षत्र हो तो उसमें यदि न हो तो पूर्णिमा या उससे पूर्व श्रवण नक्षत्र पड़ जाये तो उस दिन करते हैं। प्राचीन काल में परंपरा थी कि श्रावणी करने के बाद पुरोहित अभिमंत्रित रक्षासूत्रों को अपने यजमान की समृद्धि के लिए बाँधते थे। वर्तमान में यह परंपरा लुप्तप्राय हो गई है ।इस दिन गायत्री जयंती व संस्कृत दिवस भी होता है।

शिक्षाविद राजेंद्र सिंह सिकरवार के निधन पर जताया शोक

मथुरा (वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोक दल के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य, शिक्षाविद राजेंद्र सिंह सिकरवार के निधन पर स्थानीय लोगों ने शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा ने राजेंद्र सिंह सिकरवार के निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा। शोक व्यक्त करने वालों में डॉ. चंद्रशेखर शर्मा, अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार, शिक्षक नेता योगेश चौधरी, विश्वेंद्र सिंह, आचार्य विष्णु महाराज, आचार्य मनीष गगार्चार्य, चंद्रपाल सिंह देशवार, देव अग्रवाल, राकेश गोयल, मदन पांडेय वैद्य, अनुज उपमन्यु, राजेश पाठक, सुरेंद्र चौधरी,प्रमोद सिकरवार,जय सिंह सिकरवार, अजीत वर्मा,सतेंद्र पहलवान आदि प्रमुख हैं।

नीलमणि ने पेश किया सेवा और समर्पण की एक और मिशाल, अधिवक्ता चैंबर का हुआ भव्य उद्घाटन

- धनघटा विधान सभा में नीलमणि की कर्तव्यनिष्ठा बनी जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणाः डा रमापति राम त्रिपाठी
- सियासत में सेवा का सबसे शानदार और उत्कृष्ट मॉडल है नीलमणि का प्रयास - जय चौबे

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। खुद के निजी संसाधनों से समाज के हर तबके के लिए सौगात मुहैया कराकर सेवा और समर्पण की मिशाल बने पूर्व विधान सभा प्रत्याशी नीलमणि ने अब समाज के अधिवक्ता समुदाय के लिए एक प्रेरणादाई सौगात भेंट किया है। नीलमणि द्वारा धनघटा तहसील परिसर में लाखों की लागत से अधिवक्ताओं के चैंबर के लिए बनाए गए सात टीन शेडो का सोमवार को भव्य लोकार्पण हुआ। खलीलाबाद सदर के पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे, जनपद बार और तहसील बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं के हुजूम के बीच भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डा रमापति राम त्रिपाठी ने जब इस ऐतिहासिक परियोजना का लोकार्पण किया तो तहसील परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि अपनी कर्तव्यनिष्ठा और दृढ़ संकल्प की बदौलत नीलमणि ने सेवा भाव की जो मिशाल पेश किया है वह समाज के जनप्रतिनिधियों के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने बिड़हर घाट पर लोगों के लिए नीलमणि द्वारा निजी संसाधनों से कराए गए कार्यों और अधिवक्ताओं के लिए तैयार कराए गए चैंबर निर्माण को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेवा और समर्पण के उनके इस भाव को जन जन तक इसलिए पहुंचना जरूरी है जिससे समाज का कोई अन्य युवा भी उनसे प्रेरित हो कर दूसरा नीलमणि बन सके।

डा त्रिपाठी ने उनके राजनैतिक और सामाजिक जीवन के स्वर्णिम होने का आशीष दिया। विशिष्ट अतिथि एवं खालीबाद सदर के पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे ने कहा कि सियासत में सेवा भाव की अद्भुत मिशाल हैं नीलमणि। इन्होंने अपने संघर्षों और कर्मठता की बदौलत द्वाबा क्षेत्र को संवारने, सजाने और निखारने का जो बीड़ा उठाया है वह प्रशंसनीय है। श्री चौबे ने कहा कि अपने निजी संसाधनों से समाज के हर तबके को सुविधा पहुंचाने के लिए किए जा रहे उनके प्रयास आने वाले दिनों में क्षेत्र की सियासत में मील का पत्थर साबित होगा। जनपद बार एसोशिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता ईश्वर चंद पांडेय ने नीलमणि द्वारा अधिवक्ताओं के लिए किए गए कार्य को ऐतिहासिक बताते हुए जिले के सृजन में उनके द्वारा किए गए संघर्ष को भी यादव किया। इससे पहले धनघटा के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नीलमणि और तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप राय ने सभी अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत करते हुए उन्हें अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया। डा मनोज शुक्ला ने कार्यक्रम का शानदार संचालन कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस दौरान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष बद्री यादव, महामंत्री गणेश पांडेय, ब्लॉक प्रमुख राम मिलन यादव, बब्बन शर्मा, अवधेश सिंह, अभयानंद सिंह, संदीप सिंह, अमर राय, अशोक यादव उर्फ साधू यादव, महीप बहादुर पाल , विप्र पांडेय, सुरेंद्र सिंह, अरविंद श्रीवास्तव, लाल शरण सिंह, राधेश्याम मौर्य, हनुमान प्रसाद चौधरी सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

बझेरा में सरकारी सड़क खोदने का लगाया आरोप, ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। गांव बझेरा में गोवर्धन-कोकेरा मार्ग से चौमुहां होकर एनएच-19 से जुड़ने वाली सरकारी सड़क की पुलिया के पास जेसीबी से गहरी खाई खोदकर रास्ता बंद करने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। गांव निवासी राहुल पुत्र कृपाल ने जिलाधिकारी और मुख्य अधिशाषी अभियंता को सौंपे प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि रास्ता बंद होने से स्कूल बस, किसानों के ट्रैक्टर समेत अन्य वाहनों का आवागमन प्रभावित है। करीब एक सप्ताह पहले 30 से अधिक बच्चों को लेकर जा रही स्कूल बस भी खोदी गई खाई में पलट गई, जिसमें बच्चे बाल-बाल बच गए। ग्रामीणों ने खाई से बड़े हादसे की आशंका जताई है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कुलावा संख्या-84 को बंद कर दिया गया है, जिससे करीब 50 किसानों की फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके की जांच कर रास्ता और कुलावा खुलवाने तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं देखना ये है कि ग्रामीणों व राहगीरों की समस्या को देखते हुए प्रशासन कितनी जल्दी कदम उठाता है।

सावन के चौथे सोमवार पर बैजूधाम मंदिर पहुंचे डीएम-एसपी, पूजा कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सावन मास के चतुर्थ सोमवार के पावन अवसर पर जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना थाना धनघटा क्षेत्र अंतर्गत बैजूधाम मंदिर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन-अर्चन एवं दुग्धाभिषेक कर जनपदवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। पूजन-अर्चन के बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मंदिर परिसर का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने प्रवेश एवं निकास मार्ग, बैरिकेडिंग, पार्किंग स्थल, ड्यूटी प्वाइंट और श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता और पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा, चिकित्सा सहायता, पेयजल, स्वच्छता और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी बनाए रखी जाए। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने कहा कि सावन मास को देखते हुए जनपद पुलिस पूरी सतर्कता और सजगता के साथ कार्य कर रही है। जिले के प्रमुख शिवालयों एवं धार्मिक स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की।

यमुना पार की 55 हजार परिवारों की प्यास बुझाएगी बड़ी पेयजल परियोजना, जिलाधिकारी ने 100 साल की जरूरतों के हिसाब से काम करने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। आगरा में यमुना पार क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में बड़ी पहल तेज हो गई है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने रविवार को पोइया घाट क्षेत्र में यमुना नदी पर उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा निमार्णाधीन वृहद पेयजल परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निमार्णाधीन 55 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और 85 एमएलडी इंटेक वेल सहित परियोजना के विभिन्न कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से परियोजना की तकनीकी संरचना, निर्माण की वर्तमान स्थिति, गुणवत्ता, पेयजल वितरण व्यवस्था और निर्धारित समयसीमा के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना को केवल वर्तमान जरूरतों के हिसाब से नहीं, बल्कि आगामी 100 वर्षों की संभावित पेयजल आवश्यकता, बढ़ती आबादी और क्षेत्र के विस्तार को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जाए।

परियोजना के तहत यमुना नदी से इंटेक वेल के माध्यम से कच्चा पानी लेकर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में उसका शोधन किया जाएगा। इसके बाद शुद्ध पेयजल को पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए यमुना पार क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों और आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंचाया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत करीब 231 किलोमीटर लंबी पेयजल पाइपलाइन बिछाई जा रही है। विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराने का कार्य भी शुरू हो चुका है। परियोजना पूरी होने के बाद ट्रांस यमुना कॉलोनी, कालिंदी विहार, फाउंड्री नगर, शाहदरा, राज नगर, सीता नगर, नगला रामदास और कछपुरा सहित यमुना पार क्षेत्र के 100 से अधिक गली-मोहल्लों और कॉलोनियों में पेयजल आपूर्ति को मजबूती मिलेगी। परियोजना से करीब 55 हजार परिवारों को लाभान्वित किए जाने का लक्ष्य है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जल शोधन प्रक्रिया, इंटेक वेल की संरचना, पंपिंग व्यवस्था, पाइपलाइन नेटवर्क, आरसीसी निर्माण और एमबीआर आधारित उपचार व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता और तकनीकी मानकों के अनुपालन की भी समीक्षा की। डीएम ने निर्देश दिए कि परियोजना के प्रत्येक महत्वपूर्ण निर्माण चरण में निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्ता परीक्षण कराया जाए। इसके साथ ही थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन के माध्यम से निर्माण कार्य की स्वतंत्र गुणवत्ता जांच भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने साफ कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यमुना किनारे बन रही परियोजना को बाढ़ से सुरक्षित रखने को लेकर भी जिलाधिकारी ने अधिकारियों से जानकारी ली।

जन्माष्टमी : कन्हैया के जन्मोत्सव पर आसमान भी होगा कृष्णमय, 500 ड्रोन दिखाएंगे कृष्ण लीला

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा 5253 वें श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर 4 सितंबर को रात 9 से 10 बजे के मध्य किया जाएगा ड्रोन शो

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में इस बार जन्माष्टमी का उत्सव एक नए और भव्य रूप में नजर आएगा। इस पावन धरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि में कंस के कारागार में अवतार लिया था, उसी पवित्र जन्मस्थल की धरती के साथ अब आसमान भी कृष्णमय होगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की रात पहली बार 500 ड्रोन के जरिए भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का भव्य दृश्य आसमान में प्रदर्शित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि परिषद श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के लिए लगातार नए प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में 4 सितंबर की रात 9 से 10 बजे के बीच करीब 15 मिनट का ड्रोन शो आयोजित किया जाएगा। 500 ड्रोन आसमान में एक साथ उड़कर भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और उनकी लीलाओं से जुड़े दृश्य और आकृतियां बनाएंगे। यह शो करीब 3 से 4 किलोमीटर की दूरी तक दिखाई देगा। इस तरह जन्मभूमि के आसपास मौजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी आसमान में होने वाली इस अनूठी कृष्ण लीला के साक्षी बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि जन्मभूमि पर जन्माष्टमी का अपना विशेष महत्व है। भगवान श्रीकृष्ण ने इसी पावन भूमि पर अत्याचारी कंस के कारागार में अवतार लेकर अधर्म के अंत और धर्म की स्थापना का संदेश दिया था। यही कारण है कि देश-दुनिया के कृष्ण भक्तों के लिए मथुरा की जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि भगवान के अवतरण की पावन स्मृति से जुड़ने का अवसर भी है। जन्माष्टमी की मध्यरात्रि में जन्मभूमि मंदिर में होने वाला जन्माभिषेक देखने के लिए हर वर्ष लाखों श्रद्धालु मथुरा पहुंचते हैं। यहाँ पहुँचने वाले लाखों श्रद्धालुओं को इस बार मथुरा में 500 ड्रोन के माध्यम से कन्हैया के जन्म की लीलाओं को आसमान में देखने का भी अवसर मिलेगा। इस तरह मथुरा की जन्माष्टमी मथुरा में इस बार श्रद्धा, आस्था और आधुनिक तकनीक के अनूठे संगम की साक्षी बनेगी।

धार्मिक आयोजनों में ड्रोन शो का प्रयोग अब नया आकर्षण बन चुका है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के मंडफिया स्थित प्रसिद्ध श्री सांवलिया सेठ मंदिर में जन्माष्टमी के अवसर पर ड्रोन शो के जरिए भगवान श्रीकृष्ण की 12 लीलाओं के दृश्य आसमान में प्रदर्शित किए जा चुके हैं। वहीं गुजरात के सोमनाथ मंदिर परिसर में भव्य शो आयोजित हुआ, जिसमें सोमनाथ के इतिहास, भगवान शिव और भारतीय संस्कृति से जुड़े दृश्य आसमान में उकेरे गए। ऐसे में मथुरा में जन्मभूमि की पृष्ठभूमि में 500 ड्रोन से कृष्ण जन्म और लीलाओं का प्रदर्शन इस तकनीक को धार्मिक पर्यटन से जोड़ने की दिशा में एक और बड़ा प्रयोग है।

जनसुनवाई में दर्ज हुई 20 शिकायतें

अधिकांश समस्याओ का मौके पर निस्तारण ने अधिकारियों को दिए कार्रवाई के निर्देश

वेलकम इंडिया/गोविन्द मेहता

बागेश्वर। जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई आयोजित हुआ। जनसुनवाई में सड़क, बिजली, पेयजल, जंगली जानवरों के आतंक, पेंशन प्रकरण सहित विभिन्न समस्याओं से संबंधित 20 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। जनता दरबार में बिजली के बढ़े हुए बिल की शिकायत पर जिलाधिकारी ने एसडीओ यूपीसीएल को तत्काल बिल ठीक कराने व पीएमजीएसवाई को बोरबलड़ा मोटर मार्ग को एक सप्ताह के भीतर सुचारू एवं सीएमओ को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बोरबलड़ा में एएनएम की ड्यूटी निर्धारित करने तथा सीएचओ की तैनाती के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। नगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को नालियों की सफाई एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन एवं ह्यहेलो बागेश्वरह्ल पर लंबित शिकायतों की भी समीक्षा की। सीएम हेल्पलाइन पर 36 दिन से अधिक समय से लंबित यूपीसीएल की तीन शिकायतों पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता यूपीसीएल को संबंधित शिकायतकताओं से आज ही वार्ता कर शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, उप जिलाधिकारी प्रियंका रानी, अनिल चन्याल, डीडीओ संगीता आर्या, सहित सभी जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित

पुरानी मुकदमेबाजी को लेकर दंपती से मारपीट का आरोप

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली में पुरानी मुकदमेबाजी को लेकर महिला के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर महिला के पति से भी मारपीट करने का आरोप है। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली निवासी सुंदर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार सुबह करीब नौ बजे उसकी पत्नी विमला घर से कूड़ा डालने के लिए बाहर गई थी। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले मिंटू पुत्र किरता और उसकी पत्नी शालू ने पुरानी मुकदमेबाजी को लेकर विमला के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर दी।चीख-पुकार सुनकर सुंदर मौके पर पहुंचा तो आरोप है कि आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। मारपीट में दंपती को चोटें आई हैं। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

आवारा कुत्तों के झुंड से दहशत में शहरवासी, बच्चों और बुजुर्गों का निकलना मुश्किल

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। शहर और आसपास के इलाकों में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है।जगह-जगह सड़कों और गलियों में कुत्तों के झुंड घूमते नजर आ रहे हैं। इनके कारण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का अकेले घर से निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर आवारा कुत्ते राहगीरों और बच्चों का पीछा करते हैं और अचानक हमला करने की कोशिश करते हैं। इससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। विशेषकर सुबह और देर शाम घर से निकलने वाले लोगों को कुत्तों के झुंड का सामना करना पड़ रहा है। लोगों के मुताबिक, आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होने से समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। कुछ वर्ष पहले जिले में खूंखार कुत्तों के झुंड द्वारा एक बच्ची को शिकार बनाए जाने की घटना भी सामने आई थी। इसके बावजूद आवारा कुत्तों की समस्या से स्थायी निजात नहीं मिल सकी है।शहरवासियों ने नगर निकाय प्रशासन से आवारा और आक्रामक कुत्तों की समस्या का तत्काल समाधान कराने, नसबंदी व टीकाकरण अभियान चलाने तथा संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी की मांग की है।लोगों का कहना है कि अब यह केवल परेशानी नहीं, बल्कि जनसुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला बन चुका है।

शोहरतगढ़ में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत, खराब कैमरे दुरुस्त कर बढ़ाई गई जायेगी निगरानी

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह ने कस्बे के महत्वपूर्ण व संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगवाया। आपको बता दें कि थाना शोहरतगढ़ क्षेत्रान्तर्गत आगामी त्यौहार बरावफात, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्दशी, दशहरा, दीपावली एवं छठ पूजा को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने कस्बा शोहरतगढ़ के राम जानकी मन्दिर, गड़ाकूल पुलिस बूथ, कुजड़ा मोहल्ला सहित अन्य महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थानों पर नगर पंचायत शोहरतगढ़ द्वारा पूर्व में लगवाये गये सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण कर खराब कैमरों को दुरुस्त कराया गया। इसके साथ ही थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने शोहरतगढ़ कस्बे के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या में वृद्धि की गई है, जिससे प्रमुख मार्गों, बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों की प्रभावी निगरानी की जा सकें तथा आगामी त्यौहारोन को सकुशल सम्पन्न कराया जा सके।

नवोदय विद्यालय में गंदगी मिलने पर जिलाधिकारी नाराज, प्रधानाचार्य के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बांसी/सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सोमवार को पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बांसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया, जिसमें सभी शिक्षक उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं के साथ बालक-बालिका छात्रावास और भोजनालय का भी निरीक्षण किया। विद्यालय परिसर और मैदान में गंदगी तथा घास मिलने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने डिप्टी कमिश्नर, नवोदय विद्यालय समिति, लखनऊ को प्रधानाचार्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए संस्तुति पत्र भेजने का निर्देश दिया। साथ ही विद्यालय परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्युत व्यवस्था, विशेषकर जनरेटर की स्थिति में भी सुधार करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि 15 दिनों के भीतर साफ-सफाई और विद्युत व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई तो जिम्मेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

फेसबुक पोस्ट पर धमकी देने पर बागेश्वर संघर्ष वाहिनी अध्यक्ष ने कथित युवक के खिलाफ कराई प्राथमिकी दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। बागेश्वर संघर्ष वाहिनी जिलाध्यक्ष कवि जोशी ने शोशल मीडिया में एक स्थानीय यूट्यूब चैनल में एक वाहन दुर्घटना के बाद मामले में चैनल में अपनी बाइट देने के बाद एक कथित युवक द्वारा अपने कमेंट में उन्हें जानलेवा धमकी देने, एवं सार्वजनिक रूप से मानहानि करने के संबंध में कोतवाली पुलिस में अपनी प्राथमिकी दर्ज कराई है।और कथित युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।वही मामले में पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। संघर्ष वाहिनी जिलाध्यक्ष कवि जोशी ने प्राथमिकी में नगर पालिका परिषद बागेश्वर की कूड़ा गाड़ी के द्वारा एक बोलेरो गाड़ी में जोरदार टक्कर मारने के बाद घायल हुए व्यक्ति का हालचाल जानने जिला अस्पताल गए थे जहां उन्होंने घटना की जांच और तेज गति से कूड़ा वाहन चला रहे और ठेकेदारी प्रथा में सुपरवाइजर के रूप में तैनात वाहन चालक और घटना की जांच की मांग उठायी थी। और आए दिन हो रही वाहन दुर्घटनाओं को रोकने हेतु नशेड़ी किश्म के वाहन चालकों पर कार्रवाई की मांग उठाई थी।वही यूट्यूब चैनल को दिए बाइट पर चेतन सिंह नाम का व्यक्ति मेरे खिलाफ लगातार अभद्र, अपमानजनक और सीधे तौर पर धमकी भर कमेंट्स किए हैं।वही उन्होंने कोतवाली पुलिस से फेसबुक पोस्ट के कमेंट्स में चेतन सिंह द्वारा मुझे और मेरी दुकान को निशाना बनाते हुए खुले तौर पर धमकीदेने, कभी कोई अनहोनी तुम्हारे साथ न हो जाए इसका विशेष ध्यान रखने, इसके साथ ही आरोपी ने इस फेसबुक पोस्ट के कमेंट्स के माध्यम से मुझ पर शराब बांटने और एक्सीडेंट कराने जैसे झूठे व मनगढ़ंत आरोप लगाने साथ ही जान-माल की सुरक्षा औऱ आपराधिक धमकी देने, मानहानि का मुकदमा दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामले की प्राथमिकी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

चीनी की कालाबाजारी रोकने को पांचों तहसीलों में छापेमारी, स्टॉक की जांच

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। चीनी की कालाबाजारी और जमाखोरी पर नियंत्रण के लिए सोमवार को जिले की पांचों तहसीलों में प्रशासन की टीमों ने छापेमारी कर थोक एवं फुटकर विक्रेताओं के यहां उपलब्ध स्टॉक की जांच की। जिलाधिकारी के निर्देश पर बांसी तहसील में उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी और जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने चीनी के थोक व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर स्टॉक का सत्यापन किया। जांच के दौरान व्यापारियों के गोदामों में चीनी निर्धारित स्टॉक सीमा के भीतर मिली।

अधिकारियों ने व्यापारियों को गोदाम में उपलब्ध चीनी का प्रतिदिन स्टॉक विवरण दर्ज करने के निर्देश दिए। साथ ही थोक और फुटकर कीमतों में उचित अंतर रखने तथा फुटकर दुकानदारों को अनावश्यक रूप से अधिक कीमत पर चीनी नहीं बेचने की हिदायत दी गई। प्रशासन की ओर से गठित टीमों ने जिले की सभी पांचों तहसीलों में चीनी के स्टॉक की जांच की। व्यापारियों को प्रत्येक शुक्रवार को चीनी के स्टॉक का विवरण ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि जिले में चीनी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। चीनी की कीमत या कालाबाजारी से संबंधित शिकायत मोबाइल नंबर 9565772025 पर की जा सकती है।

होम्योपैथी चिकित्सा में सिद्धार्थनगर का गौरव बढ़ा, डॉ. भास्कर शर्मा को मिला 'स्वास्थ्य रक्षक सम्मान-2026'

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

इटवा/सिद्धार्थनगर। होम्योपैथी जगत में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित जिले के मशहूर चिकित्सक डॉ. भास्कर शर्मा को चिकित्सा एवं मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'स्वास्थ्य रक्षक सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान मानव सेवा फाउंडेशन, पटना की ओर से प्रदान किया गया। डॉ. भास्कर शर्मा को यह सम्मान उनकी वर्षों की चिकित्सा सेवा, मानवता के प्रति समर्पण और मरीजों के उपचार के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया। सम्मान मिलने पर जिले के लोगों और उनके शुभचिंतकों में खुशी है। होम्योपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. शर्मा के योगदान ने सिद्धार्थनगर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। लोगों ने कहा कि उनका सम्मान जिले के लिए गौरव का विषय है और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणादायक है।जिलेवासियों ने डॉ. भास्कर शर्मा को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। लोगों ने उम्मीद जताई कि वह भविष्य में भी इसी तरह चिकित्सा और मानव सेवा के क्षेत्र में योगदान देते रहेंगे।

सिद्धार्थनगर में 27 अगस्त को 'खेलो इंडिया संवाद', दो स्थानों पर जुटेंगे युवा

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 27 अगस्त को जनपद में ह्यखेलो इंडिया संवादह्ल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवाओं को संबोधित करेंगे सिद्धार्थनगर में यह कार्यक्रम दो स्थानों–शिवपत पीजी कॉलेज, शोहरतगढ़ और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु–में आयोजित होगा। इसका आयोजन मेरा युवा भारत, राष्ट्रीय सेवा योजना और खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। जिला युवा अधिकारी निशांत कुमार चौहान ने बताया कि दोनों स्थलों पर युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। प्रतिभागियों को सुबह 10 बजे तक पहुंचना होगा।कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद युवा संवाद और स्थानीय खिलाड़ियों व स्वयंसेवकों के बीच चर्चा होगी। संवाद में खेल सुविधाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने, 2036 ओलंपिक के लिए प्रतिभाओं को तैयार करने, युवा नेतृत्व और विकसित भारत के लिए युवा सशक्तिकरण जैसे विषयों पर चर्चा होगी। युवाओं से सुझाव भी लिए जाएंगे। देशभर के 1600 स्थानों पर आठ लाख से अधिक युवा जुड़ेंगे।

ससुराल पक्ष पर मारपीट और बच्चा छीनने का लगाया आरोप

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी व्यक्ति ने अपने ससुराल पक्ष पर मारपीट करने और उसका एक बच्चे को अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। सोमवार को थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू फहमिद ने बताया कि उसकी शादी 7 वर्ष पूर्व थाना आदर्श मंडी क्षेत्र के कस्बा बनन में हुई थी उसका पत्नी के साथ कई माह से विवाद चल रहा है और तहसील बनत में तारीख थी। आरोप है कि तहसील से लौटते समय उसके ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट की तथा उसका एक बच्चा भी अपने साथ ले गए। पीड़ित ने थाने पहुंचकर तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दिनदहाड़े किसान की ट्यूबवेल पर चोरी, उपकरण ले गए चोर

कांधला। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम में चोरों ने दिनदहाड़े किसान की ट्यूबवेल को निशाना बनाकर बिजली के तार, तांबे का तार, स्टार्टर समेत अन्य उपकरण चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के किसानों में हड़कंप मच गया। पीड़ित किसान ने मामले की जानकारी पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी किसान बबलू पुत्र निर्मल की खेत पर ट्यूबवेल लगी हुई है। सोमवार को अज्ञात चोरों ने मौका पाकर ट्यूबवेल पर धावा बोल दिया। चोर वहां से बिजली के तार, तांबे का तार, स्टार्टर और अन्य जरूरी उपकरण समेटकर फरार हो गए। बाद में किसान ट्यूबवेल पर पहुंचा तो सामान गायब और कुछ बिखरा हुआ देखकर उसके होश उड़ गए।दिनदहाड़े हुई चोरी की जानकारी आसपास के किसानों को हुई तो मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। किसानों ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस से गश्त बढ़ाने और चोरों का पता लगाकर कार्रवाई करने की मांग की है। सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाते हुए चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर विकासखंड कार्यालय में लगा कैंप

कैंप में ग्रामीणों और नगरवासियों की समस्याओं का कराया गया निस्तारण

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। विकासखंड कार्यालय में जिलाधिकारी के निर्देश पर जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित समस्या समाधान कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र से पहुंचे लोगों ने विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनका मौके पर निस्तारण कराने का प्रयास किया गया।कैंप में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान योजना और स्वच्छ भारत मिशन, शौचालय सहित सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में लोगों को जानकारी दी गई। अधिकारियों ने पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया और दस्तावेजों की जानकारी भी दी।इस दौरान समाज कल्याण विभाग से एडीओ अनिल कुमार, एडीओ एग्रीकल्चर जयदेव कुमार, बलराम चौधरी, वसीम, बबलू कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कैंप में पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागीय कार्रवाई कराई तथा पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया। बीडीओ वेद प्रकाश ने लोगों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक रहने की अपील की।

प्लांट में घोड़े-गधे बांधने का आरोप, विरोध पर महिला व बच्चों से मारपीट

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र की देहात कॉलोनी इदरीश बैग बिहार निवासी महिला अलीशा ने पड़ोस के कुछ व्यक्तियों पर उसके प्लांट में घोड़े, गधे और बकरियां बांधने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि विरोध करने पर पड़ोसी उसके साथ अभद्रता करते हैं और उसके बच्चों के साथ भी मारपीट करते हैं।पीड़िता अलीशा ने बताया कि पड़ोसियों द्वारा उसके प्लांट में पशु बांधने से उसे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके और बच्चों के साथ मारपीट की। घटना से परेशान महिला ने कांधला थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बरखेड़ा में धनपति वर्मा ने किया व्यापक जनसंपर्क

बोले-जनता की आवाज को मजबूती से उठाना ही संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरखेड़ा/पीलीभीत। सोमवार को समाजवादी पार्टी पीलीभीत के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र-128 के विभिन्न गांवों में व्यापक जनसंपर्क एवं भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और पार्टी की नीतियों एवं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकताओं से चर्चा की।

धनपति वर्मा ने रिछौला चौकी, मिलक, सिरसा सरदाह, सिरसा सरदाह गौटिया, मंडरिया ढेरम, लालपुर नौगवां, कल्यानपुर नौगमा, कल्यानपुर नौगमा गौटिया, घेरा, गुर्ज गौटिया, देवीपुरा, कैम, सिकरालपुर, देवीपुरा गोटिया, संतोषपुरा, भिलैईया, गांबखेड़ा, लदपुरा और गायबोझ सहित कई गांवों का भ्रमण किया। गांवों में पहुंचने पर स्थानीय लोगों एवं कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने लोगों से क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं, विकास कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर जानकारी ली। इस दौरान धनपति वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना उनका संकल्प है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव जाकर जनता से संवाद स्थापित किया जा रहा है। ग्रामीणों की समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को गंभीरता से सुना जा रहा है, ताकि जनता की आवाज को मजबूती के साथ आगे उठाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए कार्यकताओं को अभी से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने में जुटना होगा। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा, मेहनत और ईमानदारी के साथ जनता के बीच रहें तथा समाजवादी पार्टी की विचारधारा और जनकल्याणकारी नीतियों को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाएं।

धनपति वर्मा ने कहा कि किसान, नौजवान, छात्र, महिलाएं और गरीब समाज के महत्वपूर्ण वर्ग हैं। इनके सम्मान, अधिकार और बेहतर भविष्य के लिए समाजवादी पार्टी लगातार संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि जनता से बढ़ता संवाद ही संगठन की असली ताकत है। जनसंपर्क अभियान के दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

महिला स्वयं सहायता समूहों को मिला रोजगार, माँ पूर्णागिरी मॉडल प्रेरणा कैंटीन का शुभारंभ

पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सोमवार को नगर पालिका परिषद परिसर में माँ पूर्णागिरी मॉडल प्रेरणा कैंटीन का शुभारंभ किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कैंटीन का उद्घाटन किया। इस दौरान अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कैंटीन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और महिला समूह की सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्र, उपायुक्त (स्वत : रोजगार) वंदना सिंह, जिला विकास अधिकारी संजय कुमार, परियोजना निदेशक पवन कुमार सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी राजीव तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी युगल किशोर संगुड़ी, खंड विकास अधिकारी मरौरी, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी, एनआरएलएम कार्मिक, वार्ड सदस्य तथा स्वयं सहायता समूह की सदस्य मौजूद रहीं। मॉडल प्रेरणा कैंटीन का संचालन विकासखंड मरौरी के अंतर्गत गठित तुलसी प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति की छह महिला सदस्यों वाली एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स (एओपी) माँ पूर्णागिरी मॉडल प्रेरणा कैंटीन द्वारा किया जा रहा है। कैंटीन में लोगों को सूक्ष्म जलपान, भोजन, लस्सी, कोल्ड ड्रिंक सहित अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। मॉडल प्रेरणा कैंटीन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कैंटीन के संचालन से समूह की महिलाएं सामूहिक रूप से कार्य करते हुए अपनी आय बढ़ा सकेंगी और आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने भी महिला समूह की सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कैंटीन को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए प्रोत्साहित किया। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की पहल से महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा और उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। कैंटीन शुरू होने से नगर पालिका परिसर में आने वाले लोगों एवं कर्मचारियों को भी सुविधाजनक रूप से जलपान और भोजन उपलब्ध हो सकेगा।

ट्रांस शारदा क्षेत्र दशकों से भीषण कटान की जद में, स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम का इंतजार

वेलकम इंडिया संवाददाता

हजारा/पूरनपुर। ट्रांस शारदा क्षेत्र में शारदा नदी के लगातार हो रहे कटान ने ग्रामीणों और किसानों की चिंता बढ़ा दी है। दशकों से नदी की धार कृषि भूमि को अपने आगोश में ले रही है। हर वर्ष बरसात के मौसम में कटान और बाढ़ की समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। सैकड़ों हेक्टेयर उपजाऊ भूमि नदी में समा चुकी है और ग्रामीण अब स्थायी समाधान की आस लगाए बैठे हैं। हाल के दिनों में भी हजारा क्षेत्र में शारदा के जलस्तर बढ़ने के साथ कटान की समस्या सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात शुरू होते ही शारदा नदी का बहाव तेज हो जाता है। नदी की धार खेतों और आबादी की ओर बढ़ने लगती है, जिससे किसानों की वर्षों की मेहनत पर संकट खड़ा हो जाता है। कई स्थानों पर उपजाऊ कृषि भूमि तेजी से कटकर नदी में समा रही है। अगस्त में भी हजारा क्षेत्र में नदी के बढ़े जलस्तर के कारण खेतों में पानी भरने और दोबारा भू-कटान शुरू होने की स्थिति सामने आई थी। ग्रामीणों के अनुसार बाढ़ और कटान से बचाव के लिए समय-समय पर राहत एवं बचाव कार्य किए जाते हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। उनका आरोप है कि बरसात का मौसम समाप्त होते ही कटान रोकने और तटों को सुरक्षित करने से संबंधित योजनाएं तथा प्रस्ताव कागजों तक सीमित रह जाते हैं। अगले वर्ष बरसात आते ही वही समस्या दोबारा सामने खड़ी हो जाती है।

कटान प्रभावित क्षेत्र में प्रशासनिक और राजस्व स्तर पर निरीक्षण भी किए जाते रहे हैं। हाल में राजस्व टीम ने हजारा क्षेत्र में कटान स्थल का जायजा लेकर प्रभावित किसानों की भूमि का ब्योरा तैयार किया और रिपोर्ट बनाने की प्रक्रिया शुरू की। बाढ़ खंड की ओर से भी कटान रोकने के लिए बचाव कार्य कराए जाने की जानकारी सामने आई है, लेकिन ग्रामीण इन प्रयासों को पर्याप्त नहीं मान रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें केवल अस्थायी राहत नहीं, बल्कि ऐसी दीर्घकालिक योजना चाहिए जिससे नदी की धारा को आबादी और कृषि भूमि की ओर आने से रोका जा सके। इसके लिए संवेदनशील स्थानों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर मजबूत तटबंध, ठोकर और अन्य प्रभावी सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग उठ रही है।

स्थायी सुरक्षा की मांग

ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से शारदा नदी के कटान एवं बाढ़ की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित करने, दीर्घकालिक कटानरोधी योजना तैयार करने और समय रहते कार्य शुरू कराने की मांग की है। उनका कहना है कि केवल हर वर्ष राहत कार्य कराने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यदि स्थायी सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले वर्षों में कृषि भूमि के साथ गांवों पर भी खतरा बढ़ सकता है। ग्रामीणों को अब इंतजार है कि शासन इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान कब धरातल पर उतारेगा।

चुनाव हारने के बाद अध्यक्ष पद का नया रजिस्ट्रेशन, कलीनगर बार में बढ़ा विवाद

डीएम से शिकायत के बाद अधिवक्ताओं ने बैठक कर जताई नाराजगी, बार काउंसिल में भी शिकायत

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। अधिवक्ता संघ कलीनगर में अध्यक्ष पद को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। हालिया चुनाव में अध्यक्ष पद पर हार के बाद अधिवक्ता अनिल कुमार पांडेय की ओर से अलग संस्था का रजिस्ट्रेशन कराकर अध्यक्ष पद का दावा किए जाने पर अधिवक्ताओं ने बैठक कर आपत्ति जताई है। मामले में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश की अनुशासन समिति में भी शिकायत की गई है। कलीनगर को वर्ष 2016 में तहसील का दर्जा मिला था। शुरूआती वर्षों में तहसील का संचालन नगर पंचायत भवन से हुआ, जबकि अब तहसील अपने भवन में संचालित हो रही है। कलीनगर अधिवक्ता संघ में सबसे पहले जय सिंह यादव अध्यक्ष बने थे। इसके बाद कलीम मंसूरी, अनिल पांडेय और दो बार बीके पासवान अध्यक्ष रहे। वर्तमान में पूर्णेंद्र शर्मा एडवोकेट अध्यक्ष हैं। अधिवक्ताओं के अनुसार संघ के चुनाव अब तक चुनाव अधिकारी की देखरेख में नामांकन, मतदान और मतगणना की प्रक्रिया के तहत होते रहे हैं। पांच मई को हुए चुनाव में अनिल पांडेय अध्यक्ष पद पर चुनाव हार गए थे। इसके बाद बरेली में सहायक रजिस्ट्रार सोसायटी कार्यालय से अलग संस्था का रजिस्ट्रेशन कराकर अध्यक्ष पद का दावा किए जाने की बात सामने आई। इससे निर्वाचित कार्यकारिणी और अन्य अधिवक्ताओं में नाराजगी है। विवाद उस समय और बढ़ गया जब अनिल पांडेय ने एक दिन पहले कलीनगर अधिवक्ता संघ के अस्तित्व पर सवाल उठाते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की। शिकायत की जानकारी मिलने के बाद सोमवार को अधिवक्ता संघ की बैठक हुई। इसमें अधिवक्ताओं ने डीएम से की गई शिकायत पर नाराजगी जताते हुए इसकी निंदा की। अधिवक्ताओं का कहना था कि संघ के चुनाव नियमानुसार संपन्न हुए हैं और निर्वाचित कार्यकारिणी का 21 अगस्त को शपथ ग्रहण भी हो चुका है। हालिया चुनाव में जयपाल यादव ने सुनील राठौर को हराकर कोषाध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की थी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर जयदेव पासवान, महामंत्री पद पर महेंद्र पाल और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सत्यपाल निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश की अनुशासन समिति में दी गई शिकायत में अनिल कुमार पांडेय पर चुनाव के बाद समानांतर संस्था का रजिस्ट्रेशन कराने, स्वयं को अध्यक्ष बताने और वाहन पर 'अध्यक्ष बार एसोसिएशन कलीनगर' लिखवाकर चलने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की जांच कर अधिवक्ता अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की है। बैठक में अध्यक्ष पूर्णेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयदेव पासवान, कोषाध्यक्ष जयपाल यादव, राजेश चौहान, विजय कुमार गौतम, प्रशांत सिंह, एम जेड खान, हरीश बाबू यादव, प्रिंस कुमार गौतम, दोदराज कुशवाह, धर्मपाल लोधी, देव स्वरूप आर्या, विष्णुकांत यादव, अनुज पांडेय, वसीम खान, मनोज मिश्रा सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

पूर्व कार्यकाल को लेकर भी उठे सवाल

अधिवक्ताओं ने यह भी कहा कि पूर्व में जब अनिल पांडेय अध्यक्ष पद का चुनाव जीते थे, तब उन्होंने अपना पूरा कार्यकाल अधिवक्ता संघ की पुरानी व्यवस्था के तहत ही संचालित किया था। ऐसे में अब अलग संस्था का रजिस्ट्रेशन कर अध्यक्ष पद का दावा किए जाने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। विवाद को लेकर अधिवक्ताओं के बीच बैठकों का दौर जारी है और अब सभी की नजर प्रशासन तथा बार काउंसिल स्तर पर होने वाली कार्रवाई पर है। कलीनगर तहसील में प्रेक्टिस करने वाले जय सिंह यादव भी पूर्व में खुल का अध्यक्ष पद का रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर वाराणसी में होगा 'खेलो इंडिया संवाद'

प्रधानमंत्री के संबोधन के साथ युवाओं से खेल, फिटनेस और विकसित भारत पर होगा संवाद

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात, प्रधानमंत्री के साथ' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेल, फिटनेस, प्रतिभा विकास और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ना तथा खेल क्षेत्र में देश की प्रगति और भविष्य की संभावनाओं पर युवाओं के साथ संवाद स्थापित करना है। वाराणसी जनपद में यह कार्यक्रम 27 अगस्त 2026 को दो स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और धीरेंद्र महिला पीजी कॉलेज में कार्यक्रम होंगे। दोनों स्थलों पर युवाओं एवं विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण किया जाएगा। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद स्थानीय स्तर पर 'युवा संवाद' कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें जनपद के सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि, स्थानीय खेल प्रतिभाएं तथा युवा प्रतिभागी शामिल होंगे। जनप्रतिनिधि युवाओं को संबोधित करने के साथ खेल एवं युवा विकास से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। कार्यक्रम में स्थानीय खेल प्रतिभाओं के साथ संवाद भी किया जाएगा। 'खेलो इंडिया संवाद' का महत्वपूर्ण पक्ष युवा संवाद होगा। इसके माध्यम से युवाओं को देश के खेल तंत्र, खेल प्रतिभाओं के विकास, युवा नेतृत्व तथा विकसित भारत के निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने विचार और सुझाव रखने का अवसर मिलेगा। युवाओं द्वारा दिए गए सुझावों को निर्धारित माध्यम से संकलित कर आगे भेजा जाएगा।

युवा संवाद के प्रमुख विषयों में देश के खेल तंत्र को बेहतर बनाना, 2036 ओलंपिक के लिए खेल प्रतिभाओं को तैयार करना, युवा नेतृत्व, शासन में युवाओं की भागीदारी और विकसित भारत के लिए युवाओं का सशक्तिकरण शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को मेरा युवा भारत पोर्टल से जुड़ने और पंजीकरण के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। युवाओं से डिजिटल माध्यम से सुझाव प्राप्त करने के लिए 'मेरा भारत सुझाव बॉक्स' का क्यूआर कोड उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही विकसित भारत युवा नेता संवाद-2027 प्रश्नोत्तरी के संबंध में भी युवाओं को जानकारी दी जाएगी। उप निदेशक, मेरा युवा भारत वाराणसी ने कहा कि 'खेलो इंडिया संवाद' युवाओं को खेल क्षेत्र में देश की उपलब्धियों, भविष्य की संभावनाओं और खेलों में उनके योगदान से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच है। खेल युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना और आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं की आकांक्षाओं और सुझावों को सुनने तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने वाराणसी के युवाओं एवं विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में सहभागिता करने तथा खेल, फिटनेस और विकसित भारत के निर्माण से जुड़े अपने विचार एवं सुझाव साझा करने की अपील की।

ट्रांसफार्मर खराब, एक माह से आधा गांव अंधेरे में गर्मी में परेशान

वेलकम इंडिया पीलीभीत

खुटार/शाहजहांपुर। ग्राम जादोपुर कलां में ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण करीब एक माह से आधा गांव अंधेरे में डूबा है। भीषण गर्मी में बिजली आपूर्ति बाधित होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या के संबंध में कई बार हाईडिल और संबंधित कर्मचारियों को शिकायत की गई, लेकिन अभी तक ट्रांसफार्मर की खराबी दूर नहीं कराई गई है।

ग्रामीणों के अनुसार दो अगस्त 2026 से ट्रांसफार्मर बिजली आपूर्ति देने में असमर्थ है। इसके चलते गांव की आधी आबादी को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। दिन में गर्मी और रात में उमस के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। घरों में पंखे और कूलर नहीं चल पा रहे हैं, जिससे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं विशेष रूप से परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में विद्युत विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने विभाग से खराब ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलवाकर विद्युत आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है।

समस्या के समाधान को लेकर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से प्रार्थना पत्र भी दिया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि यदि तत्काल बिजली व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो समूची बस्ती के लोग उच्च अधिकारियों से शिकायत करने को मजबूर होंगे। प्रार्थना पत्र पर चांद मोहम्मद, मोहम्मद कासिम, कासिम, मोहम्मद हनीफ, सादिक, फैजान, यूसुफ, रिजवान, उवैस, गुलफाम, साकिर हसन, तौफीक अहमद, चांद मियां, जाहिद हसन और फिरदौस समेत तमाम ग्रामीणों ने हस्ताक्षर कर विद्युत समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि करीब एक महीने से बिजली संकट झेलने के बावजूद विभाग की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ऐसे में अब ग्रामीणों की निगाहें विद्युत विभाग के अधिकारियों पर टिकी हैं। ग्रामीणों ने जल्द ट्रांसफार्मर बदलवाकर नियमित बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है।

बुनकरों की बड़ी मांग, 400 रुपये प्रति किलोवाट फ्लैट रेट और 75 किलोवाट तक लोड का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास

बुनकर उद्योग मंडल की बैठक में बिजली दर कम करने, बकाया एरियर समाप्त करने और पलायन रोकने पर बनी सहमति

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के बुनकर प्रतिनिधियों की एक अहम बैठक गुलिस्ता स्कूल, काजीसडुल्लापुरा वाराणसी में बुनकर उद्योग मंडल की ओर से आयोजित की गई। बैठक में बुनकर उद्योग के सामने बिजली की दर, बिजली भार, बकाया एरियर और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान 400 रुपये प्रति किलोवाट फ्लैट रेट तथा अधिकतम 75 किलोवाट तक बिजली भार किए जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बुनकर प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। प्रतिनिधियों ने बिजली के फ्लैट रेट को कम करने में सरकार की ओर से हो रही देरी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पिछले काफी समय से बिजली के फ्लैट रेट और भार वृद्धि को लेकर लखनऊ, कानपुर और वाराणसी में कई बैठकें आयोजित की गई हैं। मंत्री राकेश सचान द्वारा प्रदेश के बुनकर बहुल जिलों में जाकर बुनकरों से संवाद भी किया गया था, जिससे बुनकरों में बिजली दर कम होने की उम्मीद जगी थी, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है।

बैठक में बुनकर प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए मांग की कि बुनकरों के लिए सभी करों सहित 400 रुपये प्रति किलोवाट फ्लैट रेट निर्धारित किया जाए। प्रतिनिधियों ने कहा कि वर्तमान बिजली दर बुनकरों के लिए आर्थिक बोझ बन चुकी है और इसके कारण बुनकर उद्योग लगातार संकट का सामना कर रहा है। प्रतिनिधियों ने सरकार से बुनकरों के बकाया एरियर को जल्द से जल्द समाप्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बकाया राशि का भारी बोझ बुनकरों पर है और इसे समाप्त किए जाने से बुनकरों को आर्थिक राहत मिलेगी।

बैठक में बिजली भार बढ़ाने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधियों ने सहमति जताई कि 5 किलोवाट से ऊपर बिजली का भार सरकार अपनी आवश्यकता के अनुसार अधिकतम 75 किलोवाट तक बढ़ा सकती है। प्रतिनिधियों ने कहा कि इससे बुनकरों को अपने पावरलूम उद्योग को सुचारू रूप से चलाने में मदद मिलेगी। बैठक में बुनकरों के पलायन को लेकर भी चिंता जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि बिजली की अधिक दर और रोजगार में कमी के कारण बुनकर दूसरे प्रदेशों में रोजगार की तलाश में पलायन कर रहे हैं। कई बुनकर अपनी लाखों रुपये की मशीनें भी औने-पौने दामों में बेचने को मजबूर हैं। प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार यदि प्रस्तावित 400 रुपये प्रति किलोवाट फ्लैट रेट और 75 किलोवाट तक बिजली भार की व्यवस्था लागू करती है तो बुनकरों के सामने खड़ा आर्थिक संकट काफी हद तक दूर हो सकता है और पलायन को भी रोका जा सकेगा।

वक्ताओं ने कहा कि कृषि के बाद बुनकारी प्रदेश में रोजगार उपलब्ध कराने वाले प्रमुख क्षेत्रों में शामिल है। बुनकर उद्योग से सरकार को कर के रूप में बड़ा राजस्व प्राप्त होता है। ऐसे में बुनकर उद्योग को बचाने के लिए सरकार को बिजली दरों में राहत देने की दिशा में तत्काल निर्णय लेना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि बुनकारी से जुड़े लोगों में हिंदू और मुस्लिम दोनों समाज की बराबर भागीदारी है। यदि हिंदू भाई ताना हैं तो मुस्लिम भाई बाना हैं और दोनों मिलकर कपड़ा तैयार करते हैं। यह बुनकर समाज की एकता और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। बैठक में बुनकर प्रतिनिधियों ने सरकार से मांग की कि जल्द से जल्द 400 रुपये प्रति किलोवाट फ्लैट रेट और 75 किलोवाट तक के बिजली कनेक्शन का प्रस्ताव लागू करते हुए नया शासनादेश जारी किया जाए। प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो बुनकर आर्थिक संकट के चलते अपने पावरलूम बंद करने के लिए मजबूर हो सकते हैं। बैठक में उत्तर प्रदेश बुनकर सभा के अध्यक्ष हाजी इफ्तेखार अहमद, मऊआइमा से चेयरमैन शोएब अंसारी, बाराबंकी से तफज्जुल हुसैन, गोरखपुर से हाजी अब्दुल्लाह, मेरठ से हाजी रईसुद्दीन, खलीलाबाद से इमामुद्दीन, कानपुर से लतीफ अंसारी, मऊ से एनुअल मुजफ्फर, शफीक अहमद, अनवर अंसारी, अख्तर हसन जहानागंज आजमगढ़, गुफरान अंसारी मुबारकपुर समेत अन्य जिलों के बुनकर प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम की मेजबानी बुनकर बिरादराना तंजीम के सरदारों और महतों ने की। इस मौके पर हाजी इश्तियाक अहमद, हाजी मुख्तार अहमद, मनोज जायसवाल, स्वालेह अंसारी, जमालुद्दीन, शकील अहमद, शैलेश सिंह, जकी मुख्तार, राकेश कांत, पार्षद गुलशन अली, बिस्मिल्ला अंसारी, तनवीर अहमद, एखलाख अंसारी, इदरीस अंसारी, बिलाल, अतहर समेत अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बुनकर बिरादराना तंजीम के सरदार हाफिज मोइनुद्दीन ने की। धन्यवाद ज्ञापन अकील अंसारी ने किया, जबकि संचालन बुनकर उद्योग मंडल के महासचिव जुबैर आदिल ने किया। बैठक में आए सभी बुनकर प्रतिनिधियों का स्वागत पार्षद हाजी ओकास अंसारी ने किया।

डॉ के एन मोदी कॉलेज में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का किया गया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस और भारतीय अंतरिक्ष सप्ताह का आयोजन किया गया प्रधानाचार्य ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग की ।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि को सेलिब्रेट करने के लिए हर साल 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाने लगा इसके साथ ही भारत-दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया। अब सवाल यह है आता है कि आखिर हमें दक्षिणी ध्रुव पर जाने की जरूरत क्यों पड़ी ,दरअसल चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव गहरा ठंडा और रहस्यमयी है यहां की कैटर्स में अरबों साल से बर्फ मौजूद है यह पानी भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए पीने के पानी और रॉकेट फ्यूल बनाने के काम आ सकता है। अभी इसरो चंद्रयान-4 चंद्रयान 5 और गगनयान मिशन पर कार्य कर रहा है ।2035 तक भारत भी अपना अंतरिक्ष स्टेशन अंतरिक्ष में स्थापित कर लेगा। अंतरिक्ष विज्ञानियों के अनुसार 2050 तक चंद्रमा पर मानव बस्तियां भी बस जांएगी।

साथी साथ छात्रों को यह भी बताया इसरो के जनक डॉ विक्रम साराभाई का जन्म 12 अगस्त 1919 को हुआ था इसी उपलक्ष्य में 12 अगस्त से 18 अगस्त तक भारतीय अंतरिक्ष सप्ताह का आयोजन भी किया जाता है।

आज हमारे देश के अंतरिक्ष यात्रियों की ऐसी कई कहानियां है जिनमे तकनीकी चुनौतियों के साथ साहस धैर्य और देश के लिए कुछ नया करने का जुनून शामिल है आज युवाओं को विज्ञान आधारित स्टार्टअप पर काम करने की जरूरत है। इस अवसर पर द्वितीय पाली के इंचार्ज श्रीमती रेखा रानी विज्ञान शिक्षक तेजवीर सिंह ,विज्ञान शिक्षिका श्रीमती ममता रानी का सहयोग प्रशंसनीय रहा।

कलश यात्रा में पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन चौधरी ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सीकरी महामाया मंडल में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित कलश यात्रा गांव इसाक नगर पहुंची। कलश यात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।इस दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन चौधरी ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से समाज को समानता, भाईचारे, सामाजिक समरसता और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके विचार किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण समाज को एकता और सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं ।कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने संत रविदास महाराज के जयकारे लगाए और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण रहा। कार्यक्रम में अमित तिसावर, आदित्य राज सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए संत रविदास महाराज के समानता, प्रेम और सामाजिक सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय परशुराम परिषद का 9 वां स्थापना दिवस मनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सीकरी रोड स्थित राष्ट्रीय परशुराम परिषद के कार्यालय पर परिषद का 9 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर भगवान परशुराम जी के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर परशुराम जी को फूलमाला अर्पण कर परशुराम जी की आरती कर पूजन किया।

कार्यक्रम के आयोजक पंडित दीपक वत्स प्रदेश महामंत्री राष्ट्रीय परशुराम परिषद एवं पूर्व सभासद नगर पालिका परिषद, शहर के नगर अध्यक्ष ललित शर्मा, शक्ति वाहिनी की जिलाअध्यक्ष श्रीमती गीता कौशिक, भाजपा के नगर अध्यक्ष आकाश शर्मा, मधुसूदन शर्मा, सेना के नगरअध्यक्ष संभव शर्मा,राजकुमार मास्टर, निखिल वत्स,दीपांशु गुप्ता,मनीष शर्मा, अंशुल चंदेला, पंकज जोशी, सुमित कुशवाहा ,आयुष भाटी प्रीत उपाध्याय आदि पद अधिकारी उपस्थित रहे।

गुर्जर समाज की पंचायत में मृत्यु भोज बंद करने का निर्णय लिया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गांव दौसा बंजारपुर में सुनील प्रधान के आवास पर गुर्जर समाज की एक बड़ी पंचायत हुई। जिसमें संयुक्त गुर्जर परिसंघ मेरठ से दर्जनों पदाधिकारीगण एवं अनेकों गांवों व शहर से समाज के सम्मानित, व संभ्रांत लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंद्राज प्रधान व संचालन राहुल गुर्जर ने किया। संयुक्त गुर्जर परिसंघ के मुख्य सह संयोजक वीरेन्द्र सिंह, जगदीश पूठा नवाब सिंह लखवाया, सुमित प्रधान, प्रवीण प्रधान, सुरेन्द्र हूण लव को शास्त्री रविंद्र प्रधान, यशो गुर्जर आदि ने समाज को संबोधित करते हुए समाज में मृत्यु भोज, चाव रात जगाई डीजे शिक्षा जैसे विषयों पर चिंतन करने का आह्वान करते हुए समाज में फैली इन कुरीतियों पर समाज के समक्ष विराम लगाने का आग्रह किया। पंचायत में उपस्थित समाज के सभी सम्मानित लोगों ने अपनी सहमति जताई। व सुनील प्रधान ने आने वाली 27 तारीख में अपनी पिताजी की पुण्यतिथि नहीं मनाने की घोषणा की और सुनील प्रधान ने 21000 गाँव की लाइब्रेरी व 21000 शहर की लाइब्रेरी में अपने पिताजी की याद में सहयोग राशि देने की घोषणा की। इस मौके पर मुख्य रूप से पंचायत को संबोधित करने वालों में पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ बबली गुर्जर, गजेंद्र प्रधान चुड़ियाला, राजबीर प्रिंसीपल, तेजपाल पोसवाल, रक्मी प्रधान हरिदत्त कसाना, कालू चेयरमैन शीशपाल सिंह, तिलक राजा अधाना बलबीर भड़ाना, श्रीपाल सिंह जगमाल मास्टर जी निर्दोष खटाना आदि ने अपने विचार रखे पंचायत में क्षेत्र के सैकड़ों सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

पांच साल में बदली तस्वीर, भोजपुर-रजापुर में 7.32 मीटर तक ऊपर आया भूजल स्तर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद के अतिदोहित विकास खंड भोजपुर और रजापुर में भूजल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयास अब जमीन पर असर दिखाने लगे हैं। प्री-मानसून 2021 की तुलना में प्री-मानसून 2026 में दोनों विकास खंडों के भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। रजापुर में पांच वर्षों के दौरान भूजल स्तर 7.32 मीटर ऊपर आया है, जबकि भोजपुर में भी 1.06 मीटर का सुधार दर्ज किया गया है। जिला भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद के अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी के नेतृत्व में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और पुराने जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन के लिए किए जा रहे कार्यों को इस सुधार की प्रमुख वजह माना जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार प्री-मानसून 2021 में भोजपुर विकास खंड का भूजल स्तर 11.61 मीटर था, जो प्री-मानसून 2026 में बढ़कर 10.56 मीटर हो गया। यानी भूजल स्तर में 1.06 मीटर का सुधार दर्ज किया गया। इसी तरह रजापुर में वर्ष 2021 में भूजल स्तर 20.10 मीटर था, जो वर्ष 2026 में 12.78 मीटर तक पहुंच गया। इस तरह पांच वर्षों में रजापुर में 7.32 मीटर का उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

शिक्षा इंटरनेशनल स्कूल में इंटर स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट का भव्य शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। निवाड़ी स्थित शिक्षा इंटरनेशनल स्कूल में इंटर हाउस क्रिकेट टूनार्मेंट की भव्य उद्घाटन सेरेमनी का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। मुख्य अतिथि एड्डसीड्डपीड्ड मोदीनगर भास्कर वर्मा एवं चेयरमैन नीरज त्यागी ने फीता काटकर तथा रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर टूनार्मेंट का विधिवत शुभारंभ किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट एवं उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों के साथ अतिथियों का भव्य स्वागत किया।

इस इंटर स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट में विभिन्न विद्यालयों की क्रिकेट टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में दर्जनों विद्यालयों से आई टीमों ने अपनी प्रतिभा, खेल कौशल एवं टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न टीमों के खिलाड़ियों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों ने आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया। विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों में प्रतियोगिता को लेकर विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिली। मुख्य अतिथि भास्कर वर्मा और नीरज त्यागी ने अपने उद्बोधन में सभी क्रिकेटर्स को खेल के प्रति लगन और प्रशिक्षण का महत्त्व बताया एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दी।

सीबीएसई योगासन प्रतियोगिता में ठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय का दबदबा, दो खिलाड़ियों ने जीता स्वर्ण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। लोनी स्थित श्री राम यूनिवर्सल स्कूल में 21 से 23 अगस्त तक आयोजित सीबीएसई नॉर्थ जोन-1 योगासन प्रतियोगिता में श्री ठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, हरिद्वार, पिथौरागढ़, बरेली और आगरा समेत विभिन्न शहरों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। अलग-अलग आयु वर्गों में आयोजित प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने योगासन की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंडर-17 वर्ग में 47 टीमों ने हिस्सा लिया। श्री ठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने योगासन कौशल का प्रभावी प्रदर्शन किया और जोनल स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल किया। खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों में कठिन आसनों तथा संतुलन और लयबद्धता का बेहतरीन प्रदर्शन कर निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया।

रेल उपरिगामी सेतु निर्माण की प्रगति के सम्बन्ध में हुई बैठक

रेल उपरिगामी पर 30 अगस्त से होगा निर्माण कार्य प्रारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार मोदीनगर की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील मोदीनगर में जनपद गाजियाबाद के मोदीनगर में राज चौपला के निकट गाजियाबाद-सहारनपुर रेलवे लाइन के किमी0-48/14-15 में सम्पार संख्या-15सी (स्पेशल)/2टी के स्थान पर 04 लेन रेल उपरिगामी सेतु निर्माण की प्रगति के सम्बन्ध में बैठक आहूत की गयी, जिसमें सेतु निगम विभाग, सिंचाई विभाग, नगर पालिका परिषद मोदीनगर, पुलिस विभाग तथा अध्यक्ष व महासचिव उ0प्र0 स्कूल पेरेंटस एसोसिएशन से भी उपस्थित रहें। जिसमें सेतु निगम द्वारा बताया गया कि दिनांक 30-08-2026 से उक्त कार्य प्रारम्भ हो जायेगा, सिंचाई विभाग के सहायक अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि वहा सेतु निगम विभाग के साथ रूट डायवर्जन का कार्य देखकर कार्ययोजना उपलब्ध करायेगें, पुलिस विभाग को रूट डायवर्जन करने हेतु कार्ययोजना उपलब्ध कराये जाने हेतु आदेशित किया गया। उपरोक्त रास्ते में आ रहे पोल को हटवाकर पोल शिफ्टिग का कार्य नगर पालिका परिषद मोदीनगर को निर्देशित किया गया है।

डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल (टेक्सटाइल शाखा) में गरिमापूर्ण अलंकरण समारोह का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल (टेक्सटाइल शाखा) के विद्यालय सभागार में अलंकरण समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ.के.एन.मोदी ग्लोबल फाउंडेशन के डायरेक्टर डॉ दीपांकर शर्मा एवं डॉ.शिशिर रस्तोगी डॉ. के.एन. मोदी ग्लोबल स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती पूजा शर्मा टेक्सटाइल शाखा की हेडमिस्ट्रेस श्रीमती सपना खुराना छात्रों के अभिभावक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्वलन एवं पुष्पगुच्छ भेंट के साथ हुआ।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने मनमोहक स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर सभी का स्वागत किया। समारोह का मुख्य आकर्षण विद्यालय की नवगठित छात्र परिषद के सदस्यों को बैज प्रदान कर उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियाँ सौंपना रहा। परिषद के सदस्यों ने विद्यालय के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की शपथ ली। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व, सेवा एवं उत्तरदायित्व की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इसके उपरांत हेड गर्ल एवं हेड बॉय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यालय के गौरव को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया। इसके बाद मॉनिटर एवं प्रीफेक्ट्स को भी बैज पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान समूह छायाचित्र लिए गए तथा विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

शहर में एक भी स्ट्रीट लाइट बंद मिली तो होगी तत्काल कार्रवाई, महापौर ने दिए सख्त निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में प्रकाश व्यवस्था को बेहतर और सुचारु बनाए रखने के लिए महापौर सुनीता दयाल ने नगर निगम के प्रकाश विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में एक भी स्ट्रीट लाइट लंबे समय तक बंद नहीं रहनी चाहिए। बरसात के कारण खराब होने वाली लाइटों की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की जाए और जहां नई लाइट की आवश्यकता है, वहां प्राथमिकता के आधार पर नई लाइट लगाई जाए। महापौर ने कहा कि आगामी त्योहारों को देखते हुए अभी से प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए, ताकि त्योहारों के दौरान निगम पर अतिरिक्त दबाव न पड़े। महापौर ने प्रकाश विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात के मौसम में लाइट खराब होने की शिकायतें बढ़ सकती हैं, इसलिए सभी टीमों को सक्रिय रखा जाए। पार्षदों या शहरवासियों की ओर से किसी भी क्षेत्र में लाइट बंद होने की शिकायत मिलती है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए और मौके पर टीम भेजकर समस्या का समाधान कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शहर की किसी भी सड़क, मुख्य मार्ग, कॉलोनी या सार्वजनिक स्थान पर प्रकाश व्यवस्था बाधित नहीं होनी चाहिए। यदि कहीं नई लाइट लगाने की जरूरत है तो वहां भी बिना अनावश्यक देरी के कार्य कराया जाए, जिससे रात के समय लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि आने वाले समय में कई प्रमुख त्योहार हैं। ऐसे में नगर निगम की ओर से अभी से प्रकाश व्यवस्था को व्यवस्थित करना जरूरी है।

रक्षाबंधन पर एनएच-9 पर भारी वाहनों की नो एंट्री, 26 से 28 अगस्त तक लागू रहेगा डायवर्जन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रक्षाबंधन पर्व पर दिल्ली, गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्रों में वाहनों का दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है। बाजारों, प्रमुख मार्गों और शहर के व्यस्त हिस्सों में जाम की स्थिति से बचने तथा लोगों की आवाजाही सुचारु रखने के लिए 26 अगस्त की सुबह आठ बजे से 28 अगस्त की रात 12 बजे तक राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर भारी वाहनों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस ने सामान्य और भारी वाहनों के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए हैं। डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन के अनुसार गाजियाबाद और दिल्ली की ओर से अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली और लखनऊ की तरफ जाने वाले सामान्य वाहन एनएच-9 अथवा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल कर सकेंगे। इसी तरह इन शहरों से गाजियाबाद और दिल्ली की ओर आने वाले सामान्य वाहनों को भी एनएच-9 और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से आवागमन की सुविधा मिलेगी। यातायात पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि त्योहार के दौरान बढ़ने वाले यातायात दबाव के बावजूद सामान्य वाहनों की आवाजाही प्रभावित न हो और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

दिन में ईवी चार्ज कराना होगा सस्ता, 564 स्टेशनों पर मिलेगी 20 फीसदी टीओडी छूट

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। इलेक्ट्रिक वाहन चालकों के लिए राहत की खबर है। गाजियाबाद जिले के 564 सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक वाहन चार्ज कराने पर 20 प्रतिशत टीओडी यानी समय आधारित छूट का लाभ मिलेगा।

इसका सीधा फायदा उन वाहन चालकों को मिलेगा, जो दिन के समय अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों पर चार्ज कराते हैं। जिले में करीब 80 हजार इलेक्ट्रिक वाहन होने के कारण बड़ी संख्या में वाहन चालकों के इस योजना से जुड़ने की उम्मीद है। टीओडी छूट का उद्देश्य बिजली की खपत को दिन के ऐसे समय में बढ़ाना है, जब सौर ऊर्जा का उत्पादन अधिक होता है। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन पर ईवी चार्ज कराने वाले वाहन चालकों को निर्धारित शुल्क में 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इससे इलेक्ट्रिक वाहन चालकों को चार्जिंग लागत कम करने का लाभ मिलेगा और दिन के समय चार्जिंग को भी प्रोत्साहन मिलेगा। तेज धूप के दौरान सौर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ जाता है। ऐसे समय में अतिरिक्त सौर बिजली के ग्रिड में जाने से वोल्टेज प्रबंधन की चुनौती पैदा हो सकती है।

दिन के समय इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग बढ़ने से इस अतिरिक्त बिजली की खपत स्थानीय स्तर पर हो सकेगी। इससे सौर ऊर्जा का बेहतर उपयोग होने के साथ बिजली ग्रिड को संतुलित रखने में भी मदद मिलेगी। 20 प्रतिशत टीओडी छूट केवल सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों पर लागू होगी।

घरेलू या निजी परिसर में लगे चार्जिंग उपकरणों से वाहन चार्ज कराने पर इस छूट का लाभ नहीं मिलेगा। सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की संख्या अधिक होने और जिले में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए दिन में चार्जिंग को बढ़ावा देने की यह व्यवस्था वाहन चालकों के साथ-साथ ऊर्जा प्रबंधन के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

रक्षाबंधन पर बेटियों-बहनों की सुरक्षा का 'कवच', गाजियाबाद पुलिस का ऑपरेशन डिकॉय शुरू

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर कमिश्नरेट गाजियाबाद में महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस आयुक्त के आदेशानुसार पुलिस उपायुक्त नगर, ट्रांस हिंडन एवं सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध के निर्देशन में 'ऑपरेशन डिकॉय' चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत सभी थानों की एंटी-रोमियो स्क्वाड टीमें पूरी तरह सक्रिय हैं। स्कूल, कॉलेज, बाजार, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और भीड़भाड़ वाले इलाकों में लगातार गश्त और निगरानी की जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर सादे कपड़ों के साथ-साथ वर्दी में महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया है। पुलिस की विशेष नजर संदिग्ध और अवांछित गतिविधियों में शामिल युवकों पर है।

छेड़खानी और ईव-टीजिंग की शिकायत मिलते ही एंटी-रोमियो एवं मिशन शक्ति की टीमें तत्काल कार्रवाई कर रही हैं।

शरारती तत्वों को चेतावनी देने के साथ उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि गंभीर मामलों में गिरफ्तारी कर कठोर कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। कमिश्नरेट के सभी जोन में अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि रक्षाबंधन के दौरान महिलाएं और युवतियां निर्भय होकर त्योहार मना सकें।

सावन के अंतिम सोमवार पर दूधेश्वर नाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सावन के चौथे एवं अंतिम सोमवार पर सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने भगवान दूधेश्वर महादेव के दर्शन, पूजन और जलाभिषेक किए। मंदिर परिसर दिनभर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजता रहा।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के सानिध्य में मध्यरात्रि से जलाभिषेक शुरू हुआ। मंदिर के कपाट 24 घंटे खुले रहे और श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। प्रातः महंत गिरिशानंद गिरि महाराज ने धूप एवं दीप आरती की। मंदिर में आठों प्रहर पूजन और रुद्राभिषेक किया जा रहा है। दोपहर में छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा तथा भगवान का भव्य श्रृंगार होगा। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन, पुलिस एवं मंदिर प्रबंधन ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं।

कुक्कुट पालन से बदलेगी तकदीर, गाजियाबाद में 800 लोगों को मिलेगा स्वरोजगार का मौका

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कुक्कुट पालन के जरिए स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने बैकयार्ड पोल्ट्री योजना के तहत गाजियाबाद में 800 पात्र लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया शुरू की है। योजना में 500 पुरुष और 300 महिला अभ्यर्थियों को शामिल किया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.पी. पाण्डेय ने बताया कि योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति वर्ग के निर्बल एवं पात्र लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। चयनित लाभार्थियों को निःशुल्क 50 चूजे, छप्पर की व्यवस्था के लिए 900 रुपये, आवश्यक दवा, 50 किलोग्राम कुक्कुट आहार और तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन ग्राम प्रधान अथवा ग्राम प्रशासक और संबंधित पशु चिकित्साधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा। ग्रामीण स्तर पर चयन के बाद मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता वाली चयन समिति अंतिम चयन करेगी। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का गाजियाबाद निवासी, अनुसूचित जाति वर्ग का पात्र व्यक्ति होना जरूरी है। साथ ही कुक्कुट पालन के लिए उपयुक्त व्यवस्था और केवाईसी अपडेट बैंक खाता होना अनिवार्य है। विभाग ने पात्र लोगों से समय पर आवेदन कर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

नशे के खिलाफ कड़ा अभियान, स्कूलों के आसपास विशेष निगरानी के निर्देश

एक माह में 281.78 किलो गांजा बरामद, 32 आरोपी गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में एडीएम सिटी श्री विकास कश्यप की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में नारको को-ऑर्डिनेशन सेंटर की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद में मादक पदार्थों की बिक्री और तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एडीएम सिटी विकास कश्यप ने विद्यालयों के आसपास शराब, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के निर्धारित दायरे में नशे से संबंधित दुकानों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियमित निरीक्षण कर उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने होटल, ढाबों, रेस्टोरेंट, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। साथ ही युवाओं और आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया।

बैठक में बताया गया कि 18 जुलाई को एनसीबी जम्मू के साथ संयुक्त कार्रवाई में कौशांबी स्थित एक मेडिकल स्टोर पर छापेमारी कर करीब 70 हजार रुपये की नशीली औषधियां सीज की गईं और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, इंदिरापुरम के एक थोक विक्रेता के यहां से आठ औषधियों के नमूने जांच के लिए भेजते हुए करीब 1.92 लाख रुपये की दवाएं फ्रीज की गईं।

पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार 21 जुलाई से 21 अगस्त तक 281.78 किलो गांजा बरामद कर 20 मुकदमे दर्ज किए गए और 32 महिला-पुरुष आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी और प्रतिनिधि मौजूद रहे।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार, 4 मोबाइल भी बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना कविनगर पुलिस ने चोरी की घटनाओं में संलिप्त तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार 24 अगस्त 2026 को शांति व्यवस्था, संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखर्जी पार्क के पास कुछ लोग एक क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल के पास खड़े दिखाई दिए। पुलिस टीम को देखकर तीनों भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके पास मौजूद मोटरसाइकिल चोरी की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोनू उर्फ ईब्राहिम निवासी देहरा, थाना धौलाना, जिला हापुड़, सिराजुद्दीन निवासी देहरा, थाना धौलाना और सतीश निवासी सैदपुर बैरी, थाना शिकारपुर, जिला बुलंदशहर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के चार मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

लोनी की सड़क बनी 'नदी', पानी में फंसी एंबुलेंस; बुलेट सवार भी गिरे

खन्नानगर में जलभराव का वीडियो वायरल, ऑटो पलटने के बाद सामने आया एक और हैरान करने वाला मंजर

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी में बारिश के बाद जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खन्नानगर की सड़क का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सड़क पर घुटनों तक पानी भरा नजर आ रहा है। हालात ऐसे हैं कि सड़क किसी नदी की तरह दिखाई दे रही है। वायरल वीडियो में पानी के बीच एक एंबुलेंस फंसी नजर आ रही है, जबकि दूसरी ओर बुलेट सवार पानी से निकलने की कोशिश में गिरते दिखाई दे रहे हैं।इससे पहले भी लोनी में जलभराव के कारण ऑटो पलटने का वीडियो सामने आया था। लगातार सामने आ रहे इन वीडियो ने क्षेत्र की जलनिकासी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बारिश के दौरान कई इलाकों में जलभराव की समस्या विकराल हो जाती है। लोगों ने प्रशासन से स्थायी जलनिकासी व्यवस्था कराने की मांग की है।

ऑपरेशन प्रहार में नशे के सौदागर पर नकेल, 1275 अल्प्राजोलम टैबलेट के साथ आरोपी गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ҕऑपरेशन प्रहारҕ के तहत थाना नन्दग्राम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध अल्प्राजोलम की 1275 टैबलेट बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त 2026 को थाना नन्दग्राम पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान 45 फुटा, हिंडन विहार क्षेत्र से अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी करने के आरोप में प्रशान्त उर्फ तिलक निवासी नन्दग्राम, उम्र 29 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

तलाशी के दौरान उसके पास से अल्प्राजोलम टैबलेट के कुल 9 पत्ते, जिनमें 1275 टैबलेट बरामद हुईं। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ थाना नन्दग्राम में धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस आरोपी से पूछताछ कर नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने लौटाई खुशियां, 225 गुम स्मार्टफोन मालिकों को सौंपे

कपिल चौहान

नोएडा (वेलकम इंडिया)। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने सराहनीय कार्रवाई करते हुए लोगों के चेहरों पर फिर से मुस्कान लौटा दी। नोएडा पुलिस ने सीईआईआर (उएक्क) पोर्टल और सर्विलांस की मदद से 225 गुम हुए कीमती स्मार्टफोन बरामद किए हैं। इन मोबाइल फोन की कुल कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस ने आधुनिक तकनीक और सर्विलांस के जरिए विभिन्न स्थानों से मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया। इसके बाद सभी मोबाइल फोन के वास्तविक मालिकों की पहचान कर उन्हें उनके कीमती फोन सुपुर्द कर दिए गए। लंबे समय से अपने मोबाइल की उम्मीद छोड़ चुके लोगों ने फोन वापस मिलने पर खुशी जताई और पुलिस का आभार व्यक्त किया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उएक्क पोर्टल गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन की तलाश में काफी मददगार साबित हो रहा है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत संबंधित थाने में सूचना दें और उएक्कपोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

भोजपुर में गूंजी शहनाइयां, 52 जोड़ियों ने थामा जीवनभर का साथ

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 39 जोड़ों ने लिए फेरे, 13 जोड़ों का हुआ निकाह

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत विकास खंड भोजपुर परिसर में रविवार को 52 जोड़ों का सामूहिक विवाह धूमधाम से सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में 39 हिंदू जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाज से फेरे लेकर सात जन्मों तक साथ निभाने का संकल्प लिया, जबकि मुस्लिम समुदाय के 13 जोड़ों का निकाह धार्मिक परंपराओं के अनुसार सम्पन्न हुआ। जिला समाज कल्याण अधिकारी संदीप चौधरी ने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 21 हजार रुपये मूल्य की उपहार सामग्री दी जाती है, जिसमें वर-वधु के कपड़े, स्टील डिनर सेट, प्रेशर कुकर, ट्रॉली बैग, वैनिटी किट और दीवार घड़ी शामिल हैं। इसके अलावा कन्या के बैंक खाते में 64 हजार रुपये की धनराशि देने का प्रावधान है। कार्यक्रम में विधायक मंजू सिवाच सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर सुखद दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं।

आंगनबाड़ी से एनआरसी तक कड़ी निगरानी, कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य सुधार पर जोर

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिला पोषण समिति एवं जिला निगरानी समिति की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने पोषण सेवाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सितंबर 2026 तक निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक दुर्गावती देवी सभागार में आयोजित हुई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता चन्द्रा ने बताया कि जुलाई में पोषण ट्रैकर ऐप पर मेजरिंग एफिशिएंसी 99.3 प्रतिशत रही, जिसे सितंबर तक 100 प्रतिशत करने का लक्ष्य तय किया गया है। सीडीओ ने टेक होम राशन वितरण की फीडिंग में सुधार और सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर ग्रोथ मॉनिटरिंग उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में 352 सैम बच्चों के चिन्हांकन, एनआरसी रेफरल और उनके नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की समीक्षा भी हुई। गर्भवती महिलाओं के वजन संबंधी प्रगति कम मिलने पर सीडीओ ने नाराजगी जताते हुए सुधार के निर्देश दिए। निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों का काम समय पर पूरा न होने पर लोक निर्माण विभाग को भी कड़े निर्देश दिए गए।